संस्कृति विभाग, उत्तर प्रदेश
नवम तल, जवाहर भवन, लखनऊ
फोन : 0522 – 2286672
वेबसाइट : upculture.nic.in
ईमेल : directorcultureup@gmail.com, culture.up@nic.in

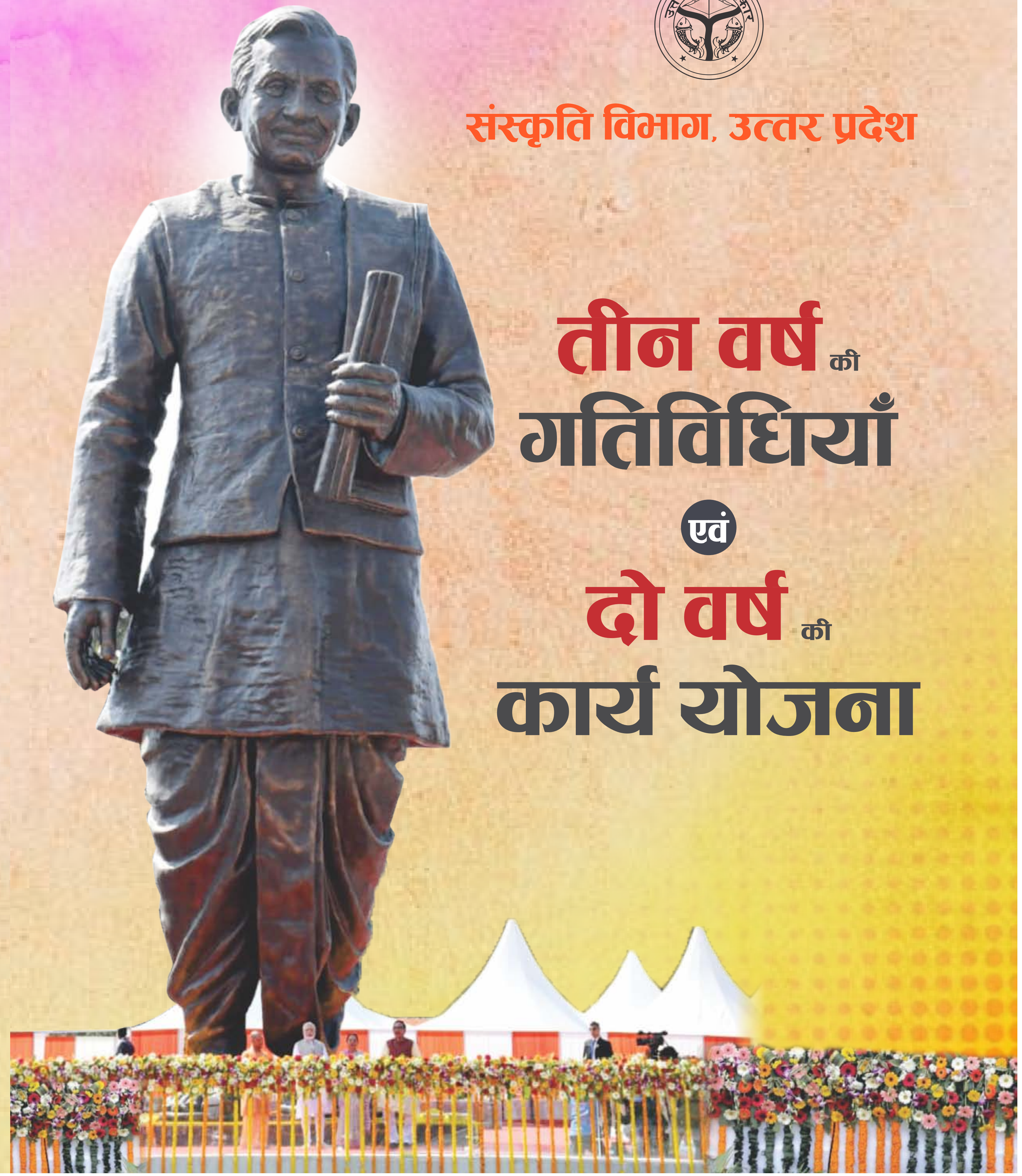

संस्कृति विभाग, उत्तर प्रदेश

तीन वर्ष की गतिविधियाँ एवं दो वर्ष की कार्य योजना

योगी आदित्यनाथ
मा0 मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश

भारतरत्न अटल बिहारी वाजपेयी जी की मूर्ति अनावरण समारोह,
लोक भवन, लखनऊ

डॉ0 नीलकंठ तिवारी
मा0 राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
संस्कृति, पर्यटन, धर्मार्थ एवं प्रोटोकाल

संदेश

संस्कृति विभाग, उत्तर प्रदेश की कला एवं संस्कृति का उन्नयन एवं विकास तथा उसके विविध पक्षों के संरक्षण एवं संवर्धन हेतु निरंतर प्रयत्नशील है। उत्तर प्रदेश की सरकार 'सबका साथ–सबका विकास' के मूल मंत्र के साथ काम कर रही है। प्रदेश सरकार अपनी संस्कृति के संरक्षण एवं संबंधी के लिये दृढ़ संकल्पित है और नई–नई योजनाओं के माध्यम से प्रचारित–प्रसारित करने का कार्य कर रही है।

इसी श्रृंखला में मा0 मुख्यमंत्री जी के प्रेरणा से विभाग द्वारा अनेकानेक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया जिसमें मथुरा में रंगोत्सव, क्षेत्रीय एवं लोक कलाकारों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से मथुरा में बरखा बहार, राम नगरी अयोध्या में पहली बार दीपोत्सव, लखनऊ में कबीर उत्सव, श्री कृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर आयोजित श्री कृष्णोत्सव तथा पं0 दीन दयाल जन्मशती समारोह के अन्तर्गत फराह महोत्सव जैसे कार्यक्रम उल्लेखनीय है।

इसके अतिरिक्त विश्व के विशालतम आध्यात्मिक, सांस्कृतिक एवं धार्मिक समागम, प्रयागराज के पावन तट पर सम्पन्न होने वाले कुम्भ मेले में विभाग द्वारा विभिन्न सांस्कृतिक मंचों पर अनेकों सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ करायी गयी साथ ही 11 देशों की राम लीला का भी मंचन कराया गया। हमारे देश की समृद्धशाली धरोहरों की प्रदर्शिनयों का अयोजन भी 'कलाकुम्भ' पण्डाल में किया गया।

मुझे पूर्ण विश्वास है कि संस्कृति विभाग सामाजिक समरसता, एकता एवं सद्भाव बढ़ाने के साथ ही साथ हमारी संस्कृति को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका का निरन्तर निर्वहन करता रहेगा।

प्रदेश की संस्कृति में संरक्षण संवर्धन करने के प्रयासों को सफलतापूर्वक संचालित करने क लिये मैं संस्कृति विभाग को शुभकामनाएं देता हूँ।

पुस्तक परिचय

उत्तर प्रदेश सरकार के विगत 36 माह में संस्कृति विभाग एवं उसकी संस्थाओं द्वारा संचालित की गई मुख्य गतिविधियों को इस पुस्तक के माध्यम से संकलित कर प्रस्तुत करने का प्रयास किया गया है। संस्कृति विभाग संचालित योजनाओं यथा लोक कलाकारों को सांस्कृतिक मंच प्रदान करने के उद्देश्य से संचालित सांस्कृतिक कार्यक्रमों का विवरण, वृद्ध एवं विपन्न कलाकार पेंशन योजना, मूर्ति निर्माण योजना, संस्कृति के प्रचार–प्रसार हेतु डाक्यूमेन्ट्री निर्माण तथा आडिटोरियम एवं प्रेक्षागृह निर्माण सम्बन्धी योजनाओं का संक्षिप्त विवरण को इस पुस्तक के माध्यम से प्रस्तुत के किया गया है।

उपर्युक्त के साथ ही साथ विभाग की संस्थाओं द्वारा 36 माह में किये गये विभिन्न कार्यक्रमों, निर्माण तथा सांस्कृतिक धरोहरों के संरक्षण एवं संवर्द्धन हेतु किये गये कार्यो को इस पुस्तक में संकलित कर प्रस्तुत किया गया है।

संस्कृति विभाग

प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण, संवर्द्धन एवं प्रदर्शन हेतु संस्कृति विभाग, उत्तर प्रदेश की स्थापना 1957 में की गयी थी। इस विभाग अन्तर्गत 3 निदेशालय– संस्कृति निदेशालय, उ0प्र0 पुरातत्व निदेशालय तथा उ0प्र0 संग्रहालय निदेशालय कार्याधीन है।

- संस्कृति निदेशालय उ0प्र0 द्वारा अपनी अधीनस्थ इकाईयों के माध्यम से प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण, संवर्द्धन का कार्य।
- कला के विविध रूपों सम्बन्धी सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन–प्रायोजन।
- 60 वर्ष के वृद्ध एवं विपन्न कलाकारों को मासिक पेंशन।
- देश की महानविभूतियों की स्मृति को जनमानस में बनाये रखने एवं उन्हें प्रेरित करने के उद्‌देश्य से मूर्तियों का निर्माण।
- सामान्य जन की सांस्कृतिक अभिरूचि में अभिवृद्धि करने के उद्‌देश्य से प्रदेश के विभिन्न जनपदों में प्रेक्षागृह/सांस्कृतिक संकुल का निर्माण।
- गज़ल, दादरा व ठुमरी क्षेत्र में प्रसिद्ध चयनित महानुभावों को 'बेगम अख्तर' पुरस्कार प्रदान किया जाना।
- पुरातत्व विभाग द्वारा पुरातात्विक महत्व के स्थलों/स्मारकों का संरक्षण, उत्खनन।
- उ0प्र0 संग्रहालय निदेशालय द्वारा ऐतिहासिक महत्व की धरोहर की सुरक्षा, संरक्षण एवं प्रदर्शन।
- उ0प्र0 राज्य अभिलेखागार एवं उनकी इकाईयों द्वारा अभिलेखों का संरक्षण।
- भातखण्डे संगीत संस्थान, कथक केन्द्र, भारतेन्दु नाट्य अकादमी एवं राष्ट्रीय कथक संस्थान द्वारा क्रमशः शास्त्रीय, उपशास्त्रीय, लोक संगीत एवं नाट्य विधाओं की उच्च स्तरीय शिक्षा।
- उ0प्र0 संगीत नाटक अकादमी द्वारा संगीत, नृत्य एवं लोक संगीत की विधाओं का प्रचार–प्रसार एवं संवर्धन।
- उ0प्र0 राज्य ललित कला अकादमी द्वारा ललित कलाओं (चित्रकला, मूर्तिकला एवं ग्राफिक कला) का प्रोत्साहन एवं विकास।
- अयोध्या शोध संस्थान एवं उ0प्र0 जैन शोध संस्थान द्वारा अवध एवं विशेष रूप से अयोध्या तथा जैन संस्कृति, साहित्य आदि का संरक्षण, प्रोत्साहन एवं विकास।
- राष्ट्रीय कथक संस्थान द्वारा कथक की समृद्धिशाली परम्पराओं का संरक्षण एवं संवर्द्धन।
- उ0प्र0 जैन विद्या शोध संस्थान द्वारा जैन कला एवं संस्कृति सम्बन्धी शोध संरक्षण एवं संवर्द्धन।
- लोक एवं जनजाति कला एवं संस्कृति संस्थान द्वारा जनजाति एवं लोक संस्कृति का संरक्षण एवं संवर्द्धन।

वित्तीय वर्ष 2017-18 में कराये गये कार्यक्रमों का विवरण

तिथि / माह	अवसर	जनपद	कार्यक्रम	धनराशि (रू0 लाख में)
14 अप्रैल, 2017	डा0 भीमराव अम्बेडकर जयन्ती	लखनऊ	सांस्कृतिक कार्यक्रम	0.82
10 मई, 2017	क्रांति दिवस	मेरठ	जश्न–ए–आजादी	1.09
10 मई, 2017	क्रांति दिवस	बलिया	जश्न–ए–आजादी	1.65
10 मई, 2017	बुद्ध पूर्णिमा	वाराणसी	सांस्कृतिक कार्यक्रम	1.22
10 मई, 2017	बुद्ध पूर्णिमा	सिद्धार्थनगर	सांस्कृतिक कार्यक्रम	0.84
10 मई, 2017	बुद्ध पूर्णिमा	कुशीनगर	सांस्कृतिक कार्यक्रम	1.21
09 जून, 2017	कबीर जयन्ती	लखनऊ	कबीर उत्सव	1.32
09 जून, 2017	कबीर जयन्ती	मगहर सन्तकबीर नगर	कबीर उत्सव	0.85
जुलाई, 2017	कार्यशालाएं	झांसी, मथुरा, वाराणसी, गोरखपुर, लखनऊ, फैजाबाद	लोकगीत, नृत्य	3.72
08–12 जुलाई, 17	पं0 दीनदयालय उपाध्याय जन्म शताब्दी	लखनऊ	चित्रकार शिविर	5.21
22–24 जुलाई, 17		मथुरा	'बरखा बहार'	8.86
29–30 जुलाई, 17		अयोध्या	'सावन झूला उत्सव'	4.11
26 अगस्त, 2017		मुगलसराय	चन्द्रगुप्त नाट्य प्रस्तुति	1.00
30 अगस्त, 2017		वाराणसी	शंकराचार्य नाट्य प्रस्तुति	1.00
23 सितम्बर 2017	प्रायोजित कार्यक्रम		सांस्कृतिक कार्यक्रम	1.42
26–27 जुलाई 2017	मेघ मल्हार	गोरखपुर	सांस्कृतिक कार्यक्रम	3.33
18–25 सितम्बर 2017	पं0 दीनदयाल उपाध्याय जनशताब्दी समारोह	फरह महोत्सव, मथुरा	सांस्कृतिक कार्यक्रम	17.18
30 अक्टूबर 2017	लोक कला उत्सव	गोरखपुर	सांस्कृतिक कार्यक्रम	1.48
22–25 नवम्बर 2017	रामायण मेला	अयोध्या	सांस्कृतिक कार्यक्रम	7.53
24–26 जनवरी 2018	उ0प्र0 दिवस / गणतंत्र दिवस	लखनऊ	सांस्कृतिक कार्यक्रम	32.38
20–22 फरवरी 2018	यू0पी0 इन्वेस्टर्स समिट 2018	लखनऊ	सांस्कृतिक कार्यक्रम	33.66
02–18 फरवरी 2018	अन्तर्राष्ट्रीय सूरजकुण्ड क्राफ्ट मेला	फरीदाबाद, हरियाणा	सांस्कृतिक कार्यक्रम	31.62
22–24 फरवरी 2018	रंगोत्सव	बरसाना, मथुरा	सांस्कृतिक कार्यक्रम	46.27
11 मार्च 2018	फ्रांस के महामहिम के आगमन पर	आगरा	सांस्कृतिक कार्यक्रम	0.52
12 मार्च 2018	मा0 प्रधानमंत्री व फ्रांस के महामहिम राष्ट्रपति के आगमन	वाराणसी	सांस्कृतिक कार्यक्रम	13.38
13 मार्च 2018	बुढ़वा मंगल	वाराणसी	सांस्कृतिक कार्यक्रम	3.73
22 मार्च 2018	जर्मनी के महामहिम का आगमन	वाराणसी	सांस्कृतिक कार्यक्रम	10.75
17–19 मार्च 2018	उ0प्र0 सरकार के एक वर्ष पूर्ण होने पर	वाराणसी	सांस्कृतिक कार्यक्रम	13.91
2017 – 2018	प्रायोजित कार्यक्रम	प्रदेश के विभिन्न जिलों में	सांस्कृतिक कार्यक्रम / सहयोग	67.45

वित्तीय वर्ष 2018-19 में कराये गये कार्यक्रमों का विवरण

तिथि / माह	अवसर	जनपद	कार्यक्रम	धनराशि (रू0 लाख में)
14 अप्रैल 2018	अम्बेडकर जयन्ती,	लखनऊ	सांस्कृतिक कार्यक्रम	1.51
01–02 अप्रैल 2018	महाराष्ट्र दिवस	लखनऊ	सांस्कृतिक कार्यक्रम	13.64
14 जुलाई 2018	मा0 प्रधानमंत्री भारत के आजमगढ़ आगमन पर	आजमगढ़	सांस्कृतिक कार्यक्रम	0.50
12 मई 2018	जनकपुर से अयोध्या आने वाले प्रतिनिधि मण्डल के सम्मान में	अयोध्या	सांस्कृतिक कार्यक्रम	2.79
27–29 जुलाई 2018	प्रधानमंत्री के लखनऊ आगमन पर सांस्कृतिक कार्यक्रम	लखनऊ	सांस्कृतिक कार्यक्रम	17.65
25–26 अगस्त 2018	सावन झूला,	अयोध्या	सांस्कृतिक कार्यक्रम	5.58
28–29 अगस्त 2018	मेघ मल्हार,	गोरखपुर	सांस्कृतिक कार्यक्रम	4.80
11–17 जनवरी 2019	गोरखपुर महोत्सव	गोरखपुर	सांस्कृतिक कार्यक्रम	33.00
24–26 जनवरी 2019	उ0प्र0 दिवस एवं परेड	लखनऊ	सांस्कृतिक कार्यक्रम	22.71
05–06 नवम्बर 2018	दीपोत्सव,	लखनऊ एवं अयोध्या	सांस्कृतिक कार्यक्रम	16.53
11–14 दिसम्बर 2018	रामायण मेला,	अयोध्या	सांस्कृतिक कार्यक्रम	10.54
28 मई 2018	मेधावी छात्रों के सम्मान में	लखनऊ	सांस्कृतिक कार्यक्रम	1.48
31 जनवरी 2019 से 03 फरवरी 2019	आई0ए0एस0 वीक,	लखनऊ	सांस्कृतिक कार्यक्रम	4.32
19–20 मार्च 2018	कबीरा उत्सव	लखनऊ	सांस्कृतिक कार्यक्रम	50.00
2018–19	प्रायोजित कार्यक्रम	प्रदेश के विभिन्न जिलों एवं अन्य प्रदेश	सांस्कृतिक कार्यक्रम / सहयोग	79.78
योग–रूपये एक पन्द्रह लाख तैंतीस हजार मात्र				115.33

25–26 दिसम्बर, 2018	**मा0 अटल बिहारी जी की स्मृति**	**लखनऊ**	**सांस्कृतिक कार्यक्रम**	100.00

वित्तीय वर्ष 2019-20 में कराये गये कार्यक्रमों का विवरण

तिथि / माह	अवसर	जनपद	कार्यक्रम	धनराशि (रू0 लाख में)
01 अप्रैल 2019	उड़िया दिवस	लखनऊ	सांस्कृतिक कार्यक्रम	2.00
12–13 अप्रैल 2019	चैत राम नवमी मेला	अयोध्या	सांस्कृतिक कार्यक्रम	3.68
27 मई 2019	मा0 प्रधानमंत्री जी के वाराणसी आगमन पर	वाराणसी	सांस्कृतिक कार्यक्रम	9.85
28 मई 2019	मा0 मुख्यमंत्री जी के गोरखपुर आगमन पर	गोरखपुर	सांस्कृतिक कार्यक्रम	8.01
07 जून 2019	मा0 मुख्यमंत्री जी के अयोध्या आगमन पर	अयोध्या	सांस्कृतिक कार्यक्रम	3.00
06–07 जुलाई 2019	बरखा बहार	कोसी कला, मथुरा	सांस्कृतिक कार्यक्रम	53.50
13–14 अगस्त 2019	सावन झूला	अयोध्या	सांस्कृतिक कार्यक्रम	4.34
23–25 अगस्त 2019	श्रीकृष्णोत्सव–2019	मथुरा	सांस्कृतिक कार्यक्रम	125.00

रंगोत्सव

22 से 24 मार्च, 2018 के मध्य ब्रज में होली महोत्सव को 'रंगोत्सव' के रूप में मनाया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य ब्रज की होली को पर्यटन विभाग की दृष्टि से प्रचारित–प्रसारित करना था। साथ ही महोत्सव को पर्यटन का रूप भी प्रदान करना था। इस कार्यक्रम में विश्व स्तरीय कलाकारों, अखिल भारतीय स्तर के कवि, लोक संगीत से जुड़े कलाकारों द्वारा अनेक सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियॉं दी गयी।

कृष्णोत्सव

23 से 25 अगस्त, 2019 तक श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर 'श्रीकृष्णोत्सव' कार्यक्रम का पहली बार मथुरा में भव्य आयोजन किया गया। तीन दिन तक आयोजित किये जाने वाले इस कार्यक्रम के 10 मंचों पर 40 कलाकार दलों द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दी गयी जिसके अन्तर्गत मथुरा का चरकुला, रसिया गायन, रासलीला, ब्रज की नौटंकी तथा ब्रज मडंल का स्वांग नृत्य नाटिका की प्रस्तुति की गयी। कार्यक्रम में पहली बार मुम्बई की टीम द्वारा मथुरा में दही–हाड़ी कार्यक्रम का आयोजन भी किया गया। कार्यक्रम के दौरान प्रतिदिन शोभायात्रा का भी आयोजन किया गया जिसे उड़ीसा, उत्तर प्रदेश, झारखण्ड, हरियाणा, मणिपुर तथा राजस्थान आदि प्रदेशों के कलाकार दलों द्वारा प्रतिभाग किया गया।

दीपोत्सव–अयोध्या

दीपावली के अवसर पर वर्ष 2018 एवं 2019 में राम नगरी अयोध्या में पहली बार 'दीपोत्सव' कार्यक्रम का आयोजन माननीय मुख्यमंत्री जी की प्रेरणा से किया गया जिसमें अयोध्या के विभिन्न घाटों पर दो वर्ष से लगातार लाखों दिये जलाकर हम अपने ही रिकार्ड को तोड़कर गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड में नाम दर्ज कर रहे हैं। इस अवसर पर दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति की पत्नी व फिजी की लोकसभा अध्यक्ष मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। दीपोत्सव कार्यक्रम में विभाग द्वारा शोभा यात्रा, सांस्कृतिक कार्यक्रम तथा विदेशों की रामलीला के कार्यक्रम भी प्रस्तुत किये गये।

बरखा बहार

संस्कृति निदेशालय, उ0प्र0 द्वारा विशाल जनसमूह की सहभागिता तथा क्षेत्रीय कलाकारों एवं लोक कलाकारों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से दिनांक 18 से 19 अगस्त, 2018 की अवधि में मथुरा में 'बरखा बहार' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन माननीय मंत्री, संस्कृति श्री लक्ष्मी नारायण चौधरी जी द्वारा किया गया। उक्त कार्यक्रम में विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम बन रसिया, कथक बैले, ब्रज के लोकनृत्य, सावन के गीत, आल्हा गायन, मल्हार तथा कज़री गायन जैसे कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

फराह महोत्सव

मथुरा में पं0 दीन दयाल जन्मशती समारोह के अन्तर्गत आयोजित 'फराह महोत्सव' में विभाग द्वारा अनेक सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियाँ की गयी।

कबीर उत्सव

संस्कृति विभाग, उ0प्र0 द्वारा दिनांक 19 से 20 मार्च, 2019 को 'कबीर उत्सव' का आयोजन लखनऊ में किया गया। इस कार्यक्रम में विभिन्न बोलियों पर आधारित फाग गायन एवं नृत्य की प्रस्तुतियॉं की गयी। मुख्य कार्यक्रमों में ब्रज की होली, भोजपुर की होली, निर्गुण होली, मंदिरों की होली, कथक संरचना तथा प्रदेश के लोक कलाकारों द्वारा राई–सैरा, धोबिया, ढेढिया, पाई–डण्डा आदि नृत्यों की प्रस्तुतियॉं की गयी।

कुम्भ मेला – 2019 प्रयागराज

कुम्भ मेला–2019 प्रयागराज के अवसर पर विभाग द्वारा विशिष्ट सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किये गये :–

11 देशों क्रमशः श्री लंका, बांग्लादेश, सूरीनाम, फिजी, थाईलैण्ड, त्रिनिडाड एवं टोबैगो, नेपाल, मॉरीशस, रूस, इंडोनेशिया, मलेशिया के सांस्कृतिक दलों द्वारा रामलीला विषयक सांस्कृतिक प्रस्तुतियॉ दी गयी।

05 सांस्कृतिक मंचों – गंगा, यमुना, सरस्वती, भारद्वाज व अक्षयवट से 7000 कलाकारों द्वारा विविध प्रकृति की सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का आयोजन।

प्रयागराज के विभिन्न 20 स्थलों पर 2000–2500 सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का आयोजन।

'कलाकुम्भ' में बहुमूल्य/ दुर्लभ अभिलेखों/ पाण्डुलिपियों/पुरातात्विक महत्व के स्मारकों/ संग्रहालय की कलाकृतियों की प्रदर्शनी।

पेन्टिंग की विधाओं पर अखिल भारतीय कला प्रदर्शनी, छायाचित्र प्रदर्शनी, राष्ट्रीय कलाकार शिविर।

'कुम्भ की परम्परायें और पौराणिकता, ऐतिहासिकता एवं वैज्ञानिक पृष्ठभूमि' पर आधारित कॉफी टेबुल बुक का प्रकाशन तथा 'दिव्य कुम्भ एवं भव्य कुम्भ' विषय पर डाक्यूमेंट्री फिल्म तैयार कर प्रदर्शित की गयी।

महापुरुषों/संतों की मूर्ति निर्माण/स्थापना कार्य योजना

संस्कृति विभाग द्वारा देश की महान विभूतियों की स्मृति को जनमानस में बनाये रखने के उद्देश्य से संतों/महापुरुषों की मूर्तियों का निर्माण कराया जाता है। वित्तीय वर्ष 2019–20 में मूर्ति निर्माण में आवंटित बजट रू0 250.00 लाख के अन्तर्गत संतों/महापुरुषों की मूर्ति निर्माण से संबंधित प्रगति रिपोर्ट निम्नवत् प्रस्तुत है :–

स्वामी विवेकानन्द जी की 12.5 फीट की ब्रॉन्ज की प्रतिमा राजभवन, लखनऊ परिसर में स्थापित की जा चुकी है। जिस पर कुल रू0 62,66,412/– का व्यय हुआ।

मूर्ति स्थापना योजना के अन्तर्गत भारत रत्न स्वर्गीय श्री अटल बिहारी बाजपेयी जी की 25 फीट की ब्रांज की मूर्ति, स्वर्गीय श्री हेमवती नंदन बहुगुणा जी की 12.5 फीट की ब्रांज की मूर्ति, महन्त अवैद्यनाथ जी की 12.5 फीट की ब्रांज की मूर्ति, तथा महन्त दिग्विजय नाथ जी की 12.5 फीट की ब्रांज की मूर्ति स्थापना का कार्य प्रगति पर है।

डाक्यूमेन्ट्री फिल्म निर्माण

संस्कृति विभाग द्वारा उ0प्र0 की लोक कलाओं एवं कलाकारों सम्बन्धी योजना पर उ0प्र0 के विविध अंचलों यथा अवध बुन्देलखण्ड, भोजपुरी, पूर्वांचल, तराई, जनजाति एवं उ0प्र0 की सम्पूर्ण सांस्कृतिक विरासत पर हिन्दी व अंग्रेजी वर्जन में 30–30 मिनट की 15 डाक्यूमेन्ट्री फिल्मों का निर्माण कराया गया जिस पर कुल धनराशि रू0 98.53 लाख का व्यय हुआ है।

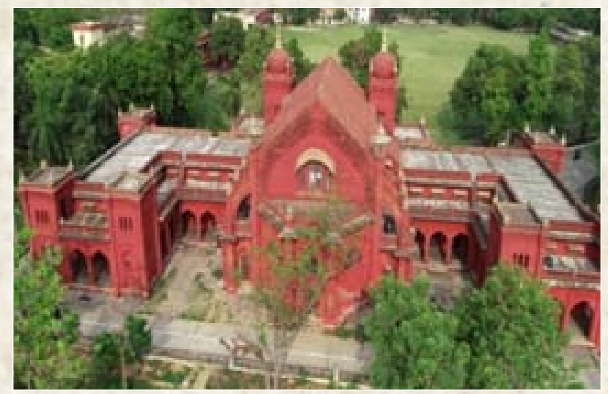

बेगम अख़्तर पुरस्कार योजना

गजल, दादरा, ठुमरी की प्रसिद्ध फनकार मल्लिका–ए–गज़ल बेगम अख़्तर साहिबा की स्मृति में विभाग द्वारा उक्त विद्या में पारंगत दो प्रतिष्ठित कलाकारों को प्रत्येक वर्ष बेगम अख़्तर पुरस्कार हेतु प्रत्येक कलाकार को रू0 5.00 लाख की धनराशि प्रदान की जाती है।

- उस्ताद युगान्तर सिन्दूर, उस्ताद अफज़ाल हुसैन खां निज़ामी
- पं0 धर्मनाथ मिश्र, उस्ताद सखावत हुसैन खान

नोट – वित्तीय वर्ष 2019–20 में बेगम अख़्तर पुरस्कार प्रदान करने हेतु आवेदन पत्र प्राप्त हो चुके है, तथा कलाकारों के चयन की प्रकिया प्रचलन में है।

वृद्ध एवं विपन्न कलाकार पेंशन योजना

वृद्ध एवं विपन्न कलाकार पेंशन योजना वर्ष 1985 से संचालित है। इस योजना के अन्तर्गत 321 स्वीकृत कलाकारों में से जीवित प्रमाण पत्र प्राप्ति के आधार पर हर वर्ष दो छमाही किश्तों में रू0 2000/– प्रतिमाह की दर से पेंशन का भुगतान किया जाता है।

विगत वर्षों में भुगतान की गयी पेंशन की स्थिति :

वित्तीय वर्ष 2017–18	वित्तीय वर्ष 2018–19	वित्तीय वर्ष 2019–20
प्रथम छमाही में 225 कलाकारों को पेंशन का भुगतान किया गया कुल व्यय धनराशि रू0 27,24,000/–	प्रथम छमाही में 208 कलाकारों को पेंशन का भुगतान किया गया कुल व्यय धनराशि रू0 25,68,000/–	321 कलाकारों का जीवित प्रमाण प्राप्ति के आधार पर पेंशन भुगतान की कार्यवाही की जा रही है।
द्वितीय छमाही में 255 कलाकारों को पेंशन का भुगतान किया गया	द्वितीय छमाही में 246 कलाकारों को पेंशन का भुगतान किया गया	चयनित 101 नये कलाकारों को माह अप्रैल, 2019 से पेंशन दिये जाने की कार्यवाही की जा रही है।
कुल व्यय धनराशि–रू0 32,04,000/–	कुल व्यय धनराशि–रू0 34,56,000/–	
कुल व्यय– रू0 59,28,000/–	कुल व्यय– रू0 60,24,000/–	

वित्तीय वर्ष 2018–19 में 101 नये कलाकारों का इस योजना के अन्तर्गत पेंशन दिये जाने हेतु चयन किया गया है। जिन्हें शासन के पत्र सं0–1599/चार–2019–388(विविध)/2004, दिनांक 05 अगस्त, 2019 द्वारा माह अप्रैल 2019 से रू0 2000/– प्रतिमाह की दर से पेंशन दिये जाने की स्वीकृति प्रदान की गयी है।

वृद्ध एवं विपन्न कलाकार पेंशन हेतु चालू वित्तीय वर्ष 2019–20 में रू0 150.00 लाख बजट प्रविधान हुआ है।

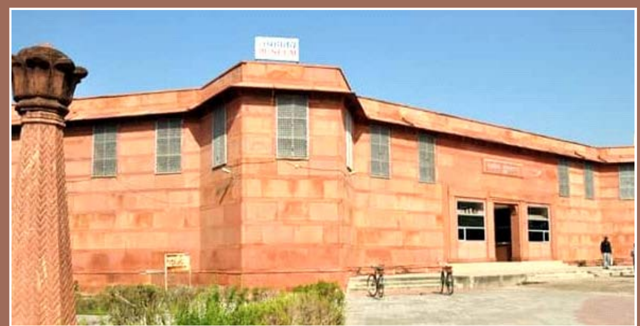

संस्कृति निदेशालय, उ.प्र. संचालित निर्माण परियोजनायें

प्रदेश में जिले एवं तहसील स्तर के कस्बों में सांस्कृतिक गतिविधियों के सुचारू रूप से संचालन हेतु प्रेक्षागृहों/खुले मंचों के निर्माण का कार्य विभाग द्वारा कराया जा रहा है। उत्तर प्रदेश सरकार की 30 माह में मा0 मुख्यमंत्री जी की घोषणा के अन्तर्गत संचालित नवीन परियोजनायें :

- गोरखपुर में अत्याधुनिक प्रेक्षागृह का निर्माण।
- रामगढ़ ताल परियोजना गोरखपुर स्थित मुक्ताकाशी मंच के अनुरक्षण।
- संत कबीर अकादमी की स्थापना, जनपद–सन्त कबीर नगर।
- जनपद–अयोध्या (फैजाबाद) में सांस्कृतिक मंच की स्थापना।
- पं0 सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला जी की जन्मस्थली गढकोला उन्नाव में विशाल स्मृति भवन, पुस्तकालय एवं अन्य संरचना।
- पं0 दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय परिसर में गुरू गोरक्षनाथ शोध पीठ का निर्माण।
- मा0 अटल बिहारी वाजपेयी की स्मृति में सांस्कृतिक समारोह के आयोजन हेतु स्मृति संकुल।
- मा0 मुख्यमंत्री जी की घोषणा के अन्तर्गत सार्वजनिक रामलीला स्थलों में चाहरदीवारी का निर्माण।
- मा0 मुख्यमंत्री जी की घोषणा के अन्तर्गत जनपद–वाराणसी में सांस्कृतिक संकुल का उच्चीकृत।
- अयोध्या फैजाबाद में अन्तर्राष्ट्रिय रामलीला संकुल की स्थापना।
- भातखण्डे संगीत संस्थान सम विश्वविद्यालय के नये परिसर हेतु भूमि व्यवस्था एवं निर्माण।
- उ0प्र0 संगीत नाटक अकादमी, लखनऊ के भवन का सुदृढ़ीकरण।
- जनपद मथुरा के वृन्दावन में गीता शोध संस्थान की स्थापना।

उ.प्र. राजकीय अभिलेखागार की गतिविधियां

(मार्च, 2017 से सितम्बर, 2019)

अभिलेख प्रदर्शनी :– अभिलेख प्रदर्शनियों को आयोजन किया गया, जो निम्नवत् हैं :–

- संस्कृति उत्सव कार्यक्रम के अन्तर्गत 17 से 19 मार्च, 2017 के मध्य संगीत नाटक अकादमी परिसर गोमतीनगर, लखनऊ में ''राम कथा का चित्रण'' विषयक अभिलेख प्रदर्शनी का आयोजन किया गया।
- उ0प्र0 राजकीय अभिलेखागार, महानगर, लखनऊ द्वारा दिनांक 14 अप्रैल, 2017 को डॉ0 भीम राव अम्बेडकर जयन्ती के अवसर पर 'डॉ0 अम्बेडकर एवं स्वतंत्रता अन्दोलन' विषयक अभिलेख प्रदर्शनी का आयोजन किया गया।
- उ0प्र0 राजकीय अभिलेखागार, महानगर, लखनऊ द्वारा मेरठ में क्रान्ति दिवस (दिनांक 10 मई, 2017) पर पं0 दीन दयाल उपाध्याय जन्मशती समारोह में अभिलेख प्रदर्शनी लगायी गयी।
- 01 अगस्त, 2017 को ग्राम लमही जिला वाराणसी में ''मुंशी प्रेमचन्द्र लमही महोत्सव'' के अवसर पर अभिलेख प्रदर्शनी का आयोजन क्षेत्रीय अभिलेखागार, वाराणसी द्वारा किया गया।
- उ0प्र0 राजकीय अभिलेखागार, महानगर, लखनऊ द्वारा पं0 दीनदयाल उपाध्याय जन्मशती समारोह के अन्तर्गत स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर 'उत्तर प्रदेश में स्वाधीनता आन्दोलन' विषयक अभिलेख प्रदर्शनी का आयोजन दिनांक 14–15 अगस्त, 2017 को कार्यालय में किया गया।
- उ0प्र0 राजकीय अभिलेखागार, लखनऊ द्वारा दिनांक 07 से 09 सितम्बर, 2017 को पं0 दीनदयाल उपाध्याय जन्मशती समारोह के अन्तर्गत ''आजादी की पहली चिंगारी'' विषयक दुर्लभ अभिलेख प्रदर्शनी का आयोजन कानपुर में किया गया।
- उ0प्र0 राजकीय अभिलेखागार, लखनऊ द्वारा दिनांक 25 से 27 सितम्बर, 2017 को पं0 दीनदयाल उपाध्याय जन्मशती समारोह के अन्तर्गत ''आजादी की पहली चिंगारी'' विषयक दुर्लभ अभिलेख प्रदर्शनी का आयोजन गोरखपुर में किया गया।
- क्षेत्रीय अभिलेखागार, इलाहाबाद द्वारा कुरुक्षेत्र हरियाणा में 'अन्तर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव' में पाण्डुलिपियों पर आधारित 'गीता दर्शन' विषयक अभिलेख प्रदर्शनी का आयोजन दिनांक 25 से 30 नवम्बर, 2017 को किया गया।
- उ0प्र0 राजकीय अभिलेखागार, लखनऊ द्वारा आई0ए0एस0 वीक के अन्तर्गत दिनांक 16.12.2017 को सी0एस0आई0 राजभवन में अभिलेख प्रदर्शनी का आयोजन किया गया।
- उ0प्र0 राजकीय अभिलेखागार, लखनऊ द्वारा काकोरी शहीद स्मृति स्थल, बाज नगर, हरदोई रोड, लखनऊ में दिनांक 19.12.2017 को 'काकोरी के शहीद' विषय पर अभिलेख प्रदर्शनी का आयोजन किया गया।
- उ0प्र0 राजकीय अभिलेखागार, लखनऊ द्वारा दिनांक 24 से 26 जनवरी, 2018 तक ''उत्तर प्रदेश दिवस का प्रथम समारोह'' के उपलक्ष्य में ऐतिहासिक अभिलेख प्रदर्शनी का आयोजन अवध शिल्प ग्राम, शहीद पथ, लखनऊ में किया गया। जिसमें उत्तर प्रदेश की संरचना, दुर्लभ ग्रन्थों में रामकथा का चित्रण, पाण्डुलिपियों पर आधारित गीता–दर्शन सम्बन्धी अभिलेख प्रदर्शित किये गये। साथ ही एक स्मारिका का प्रकाशन भी किया गया। उक्त प्रदर्शनी का उद्घाटन तथा स्मारिका का विमोचन मा0 उपराष्ट्रपति, भारत सरकार द्वारा मा0 मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश तथा मा0 राज्यपाल उत्तर प्रदेश की उपस्थिति में किया गया।

- उत्तर प्रदेश राजकीय अभिलेखागार, लखनऊ द्वारा दिनांक 14 अप्रैल, 2018 को डॉ0 भीमराव अम्बेडकर जयन्ती के अवसर पर कार्यालय में चित्र एवं अभिलेख प्रदर्शनी का आयोजन किया गया।
- क्षेत्रीय अभिलेखागार, प्रयागराज द्वारा डॉ0 भीमराव रामजी अम्बेडकर जयन्ती के अवसर पर दिनांक 14 अप्रैल, 2018 को 'डॉ0 भीमराव रामजी अम्बेडकर – एक व्यक्ति अनेक आयाम' विषयक चित्र प्रदर्शनी एवं परिचर्चा का आयोजन कार्यालय में किया गया।
- उत्तर प्रदेश राजकीय अभिलेखागार, लखनऊ के 69वें स्थापना दिवस के अवसर पर दिनांक 10 व 11 मई, 2018 को लखनऊ स्थित कार्यालय में प्रदर्शनी, व्याख्यान व अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।
- अगस्त क्रांति दिवस के अवसर पर क्षेत्रीय अभिलेखागार, वाराणसी द्वारा दिनांक 09 अगस्त, 2018 को राजकीय महिला महाविद्यालय, डी0एल0डब्लू0, वाराणसी में अभिलेख प्रदर्शनी एवं व्याख्यान का आयोजन किया गया।
- 09 अगस्त, 2018 से 20 अगस्त, 2018 तक उत्तर प्रदेश राजकीय अभिलेखागार कार्यालय परिसर में आयोजित स्वतंत्रता आन्दोलन में उत्तर प्रदेश की भूमिका विषयक अभिलेख प्रदर्शनी का आयोजन किया गया।
- क्षेत्रीय अभिलेखागार, वाराणसी द्वारा दिनांक 02 अक्टूबर, 2018 को महात्मा गांधी एवं लाल बहादुर शास्त्री जयन्ती के अवसर पर लाल बहादुर शास्त्री भवन स्मृति संग्रहालय रामनगर वाराणसी में अभिलेख प्रदर्शनी, भजन गायन एवं परिचर्चा का आयोजन किया गया।
- क्षेत्रीय अभिलेखागार, वाराणसी में दिनांक 19–11–2018 से 25–11–2018 तक विश्व धरोहर सप्ताह के अवसर पर ''हमारी धरोहर'' विषयक अभिलेख प्रदर्शनी का आयोजन गुरुधाम मन्दिर परिसर, वाराणसी में किया गया।
- उत्तर प्रदेश राजकीय अभिलेखागार द्वारा दिनांक 19 दिसम्बर, 2018 को आयोजित काकोरी के शहीद विषयक अभिलेख प्रदर्शनी स्मारक, बाजनगर, हरदोई रोड, लखनऊ में लगायी गयी जिसका उद्घाटन मा0 राज्यपाल, उत्तर प्रदेश द्वारा किया गया।
- कुम्भ मेला प्रयागराज–2019 में कला ग्राम अरैल क्षेत्र में उत्तर प्रदेश राजकीय अभिलेखागार द्वारा कुम्भ पर आधारित अभिलेख प्रदर्शनी का आयोजन दिनांक 10 जनवरी, 2019 से किया गया जिसका उद्घाटन मा0 मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश द्वारा किया गया।

मौखिक इतिहास योजना

- क्षेत्रीय अभिलेखागार, इलाहाबाद द्वारा स्वतंत्रता संग्राम सेनानी श्री गोविंद प्रसाद द्विवेदी निवासी जनपद कानपुर शहर का मौखिक इतिहास योजना के अन्तर्गत दिनांक 01 सितम्बर, 2017 को साक्षात्कार टेप करने का कार्य पूर्ण किया गया।

डॉक्यूमेन्ट्री फिल्म

उ0प्र0 राजकीय अभिलेखागार, लखनऊ द्वारा कुम्भ मेला प्रयागराज–2019 के अवसर पर ऐतिहासिक, पौराणिक कथाओं एवं विजुअल्स पर आधारित 25 मिनट की डॉक्यूमेन्ट्री फिल्म तैयार की गयी, जो विभिन्न संस्कृतियों एवं भाषाओं के संगम को दर्शनीय एवं दिव्य बनाती है। विभिन्न आखाड़ों का समागम एवं समुद्र मंथन की कथा भारत के गौरवशाली अतीत का दर्शन कराती है। साथ ही गंगा के उद्भव से लेकर इसकी भौगोलिक यात्रा (प्रयागराज तक) वेदों, पुराणों में गंगा/संगम का महत्व, यमुना, त्रिवेणी, हर्षवर्धन द्वारा प्रयागराज में दान का वर्णन एवं विभिन्न साधु सन्तों द्वारा गंगा के महत्व का चित्रण आकर्षक ढंग से किया गया है। मेले में अन्तर्राष्ट्रीय स्तर के प्रबन्ध के साथ तथ्यपरक इतिहास को सम्मिलित करते हुए डॉक्यूमेन्ट्री फिल्म तैयार की गयी है। कुम्भ प्रयागराज 2019 एक वैश्विक आयोजन था जिसमें 52 दिनों तक भारत एवं विश्व के श्रद्धालुओं, विभिन्न अखाड़ों आदि के साधु व विभिन्न देशों के उच्च राजनायिकों ने प्रतिभाग किया। उक्त आयोजन में सैकड़ों की संख्या में बने मंचों पर कलाकारों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। उक्त सभी कार्यक्रमों एवं घटनाओं का फिल्मांकन 20 मिनट व 25 मिनट की 02 डॉक्यूमेन्ट्री फिल्म (कुम्भ प्रयागराज 2019–1 व कुम्भ प्रयागराज 2019–2) तैयार करायी गयी।

प्रकाशन

- उत्तर प्रदेश राजकीय अभिलेखागार, लखनऊ द्वारा उत्तर प्रदेश राजकीय अभिलेखागार ''एक परिचय पुस्तिका'' का प्रकाशन भी किया गया।
- उ0प्र0 दिवस के अवसर पर 'उ0प्र0 की संरचना विषयक' कॉफी टेबल बुक का प्रकाशन किया गया।
- उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा प्रयागराज में आयोजित कुम्भ पर्व पर राजकीय अभिलेखागार संस्कृति विभाग द्वारा एक कॉफी टेबल बुक 'दिव्य कुम्भ भव्य कुम्भ' का प्रकाशन किया गया। जिसका विमोचन दिनांक 10 जनवरी, 2019 को गंगा पंडाल प्रयागराज में मा0 मुख्यमंत्री जी द्वारा किया गया।

डिजिटाईजेशन

- उ0प्र0 राजकीय अभिलेखागार, लखनऊ कार्यालय में चल रहे डिजिटाइजेशन कार्य के अन्तर्गत विभिन्न विभागों की पत्रावलियों के लगभग 839386 पृष्ठों की पी0डी0एफ0 तथा 20116 पत्रावलियों के मेटा डाटा की जाँच की गयी।
- उ0प्र0 राजकीय अभिलेखागार, लखनऊ द्वारा गुमनामी बाबा से सम्बन्धित पुस्तकों के हो रहे डिजिटाइजेशन कार्य के अन्तर्गत 14305 पृष्ठों की पी0डी0एफ0 की जांच की गयी।

प्रशिक्षण कार्यक्रम

- उ0प्र0 राजकीय अभिलेखागार, लखनऊ द्वारा इंदिरा गांधी इन्सीट्यूट ऑफ को–आपरेटिव मैनेजमेंट से आये हुए 10 प्रशिक्षणार्थियों को प्रशिक्षण दिया गया।
- उ0प्र0 राजकीय अभिलेखागार, लखनऊ द्वारा अभिलेख प्रबन्धन एवं प्रशिक्षण विषयक प्रशिक्षण कार्यक्रम (दिनांक 01 मई से 12 मई, 2017 तक) का आयोजन किया गया।
- उ0प्र0 राजकीय अभिलेखागार, लखनऊ में कम्प्यूटर प्रशिक्षण व जेम का प्रशिक्षण दिया गया।

सांस्कृतिक कार्यक्रम/कार्यशाला/ व्याख्यान

- क्षेत्रीय अभिलेखागार, आगरा एवं न्यू एरा रिसर्च फाउण्डेशन, आगरा के संयुक्त तत्वाधान में दिनांक 19 व 20 मई, 2018 को ''अभिलेख एवं पाण्डुलिपियों के प्रारम्भिक संरक्षण'' विषयक कार्यशाला का आयोजन किया गया।
- राजकीय पाण्डुलिपि पुस्तकालय, प्रयागराज में दिनांक 19–11–2018 को विश्व धरोहर सप्ताह के अन्तर्गत ईश्वरशरण डिग्री कॉलेज, प्रयागराज के लगभग 60 विद्यार्थियों को कार्यालय के महत्वपूर्ण पाण्डुलिपियों के बारे में जानकारी प्रदान की गयी।
- विश्व विरासत सप्ताह के अवसर पर ईश्वरशरण डिग्री कॉलेज, प्रयागराज के विद्यार्थियों हेतु क्षेत्रीय अभिलेखागार, प्रयागराज में शैक्षणिक भ्रमण एवं तत्पश्चात् मौलिक शोध में पाण्डुलिपियों एवं अभिलेखों के महत्व विषयक व्याख्यान का आयोजन 19–11–2018 को कार्यालय में किया गया।

लोक एवं जनजाति कला एवं संस्कृति संस्थान

उत्तर प्रदेश के जनजातीय एवं लोक संस्कृति के संरक्षण, संवर्धन एवं प्रदर्शन हेतु लोक एवं जनजाति कला एवं संस्कृति संस्थान की स्थापना सन् 1986 में की गई थी जिसके द्वारा लोक संस्कृति की लुप्त होती विधाओं को मंच प्रदान करना, इनमें संबंधित सर्वेक्षण/दस्तावेजीकरण आदि का महत्वपूर्ण कार्य किया जाता है।

सांस्कृतिक कार्यक्रम

09 दिसम्बर, 2018 बुक्सा महोत्सव, जिला बिजनौर

30 अक्टूबर, 2018 रागनी लोक महोत्सव, गौतम बुद्ध नगर

30 नवम्बर, 2018 सांस्कृतिक कार्यक्रम, सी एस आई आर, लखनऊ

15 से 18 अक्टूबर, 2018 थारू महोत्सव, जिला बलरामपुर

04 नवम्बर, 2018 सांस्कृतिक कार्यक्रम, इग्नू, लखनऊ

09 से 11 फरवरी, 2019 बसन्तोत्सव कार्यक्रम, जिला बलरामपुर

29 से 30 अगस्त, 2019 लोक विमर्श कार्यक्रम, लखनऊ

2017-18 आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम

लोक सांस्कृतिक चौपाल 02 कार्यक्रम–झांसी एवं चन्दौली।

प्रस्तुतिपरक लोक नृत्य/गायन कार्यशाला 03, आगरा, वाराणसी, गोण्डा।

क्षेत्रीय अंचलों के लोक कलाओं के विविध कार्यक्रम 04 इटावा, वाराणसी, झांसी, भदोही।

पारम्परिक विधाओं के संरक्षण हेतु गोष्ठी/पाक्षिक एवं मासिक कार्यक्रम 06 वाराणसी 03, सोनभद्र, जौनपुर, लखनऊ।

अयोध्या शोध संस्थान

अयोध्या शोध संस्थान की स्थापना संस्कृति विभाग उ.प्र. शासन द्वारा अयोध्या के ऐतिहासिक तुलसी स्मारक भवन, में 18 अगस्त, 1986 को की गयी। यह संस्कृति विभाग की स्वायत्तशाषी संस्था है।

सामान्य रूप से अवध और विशिष्ट रूप से अयोध्या की कला संस्कृति, साहित्य, लोकसाहित्य, इतिहास और परम्पराओं की पाण्डुलिपियों तथा वस्तुओं और शिल्प तथ्यों का संग्रह, संरक्षण और अध्ययन करना है।

नित्य पारम्परिक रामलीला

मा0 मुख्यमंत्री महोदय, उ0प्र0 सरकार के आदेशानुसार दिनांक 03 मई, 2017 से प्रतिदिन सायं 06.00 बजे से रात्रि 09.00 बजे तक नित्य पारम्परिक रामलीला का मंचन।

रामायण मेला

संस्कृति विभाग, उ0प्र0 शासन द्वारा प्रतिवर्ष रामविवाह के उपलक्ष्य में अयोध्या में देश–विदेश के विभिन्न सांस्कृतिक दलों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों एवं रामलीला का आयोजन करवाया जाता है।

अन्तर्राष्ट्रीय रामलीला का आयोजन

दशहरा (विजय दशमी) के अवसर पर उ0प्र0 सरकार द्वारा प्रतिवर्ष अयोध्या में दीपोत्सव का आयोजन किया जाता है जिसमें संस्थान द्वारा देश के विभिन्न प्रान्तों के सांस्कृतिक कलाकारों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम, रामलीला एवं विदेशों की रामलीला की शोभा यात्रा एवं झांकी का आयोजन करवाया जाता है।

- 18 अक्टूबर, 2017 में अयोध्या दीपोत्सव पर इण्डोनेशिया व श्रीलंका की रामलीला का आयोजन।
- 23 से 24 नवम्बर, 2017 थाईलैंड एवं इंडोनेशिया की रामलीला का रामायण मेला में आयोजन।
- 24 से 25 जनवरी, 2018 आशियान देशों का रामायण मेला में इन्डोनेशिया, काम्बोडिया, थाईलैण्ड द्वारा अन्तर्राष्ट्रीय रामलीला, अयोध्या शोध संस्थान, अयोध्या व अवध शिल्प ग्राम, शहीद पथ लखनऊ में।
- इण्डोनेशिया की रामलीला एवं भारत की पारम्परिक रामलीला की प्रस्तुति जकार्ता/बाली, इण्डोनेशिया।
- 18 जुलाई, 2018 से 02 अगस्त, 2018 तक त्रिनिडाड, गुआना तथा सूरीनाम आदि कैरेबियन देशों में अयोध्या की रामलीला की 3–3 प्रस्तुति एवं प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजन की झलकियाँ।
- दिनांक 22 अगस्त, 2019 से 29 अगस्त, 2019 तक मॉरीशस के विभिन्न शहरों में अयोध्या की रामलीला की प्रस्तुति एवं प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन।

कोदण्ड राम मूर्ति का अनावरण

दिनांक 07 जून, 2019 को योगी आदित्यनाथ जी, मा0 मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश के द्वारा संस्थान के 'हस्तशिल्प में राम संग्रहालय' में स्थापित कर्नाटक की विशेष दक्षिण भारतीय शैली में टीक वुड की सात फीट ऊँची कोदण्ड राम प्रतिमा का अनावरण तथा कोदण्ड राम पर आधारित डाक टिकट एवं विशेष कवर आवरण का विमोचन एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन।

रामायण यात्रा

1. बाली : रामायण यात्रा।
2. कोदण्ड राम : भद्रांचल/आन्ध्र प्रदेश।

संगोष्ठी

विश्व भाषा साहित्य एवं रामचरित के वैज्ञानिक आयाम एवं सामाजिक समरसता आदि विषयों पर अनेक राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया

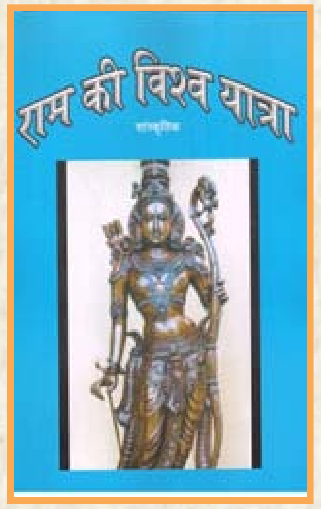

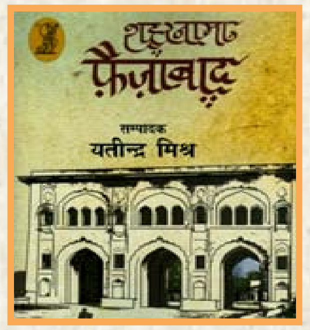

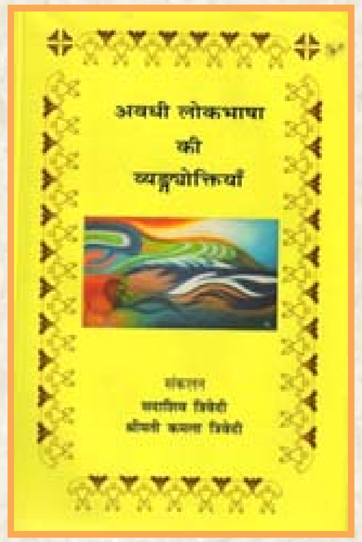

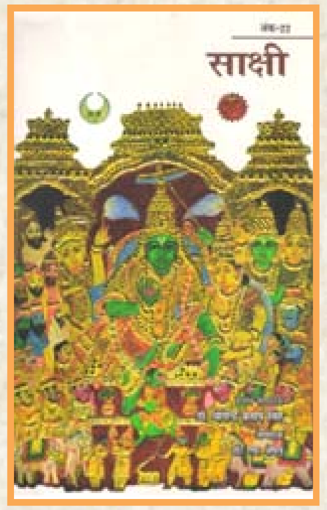

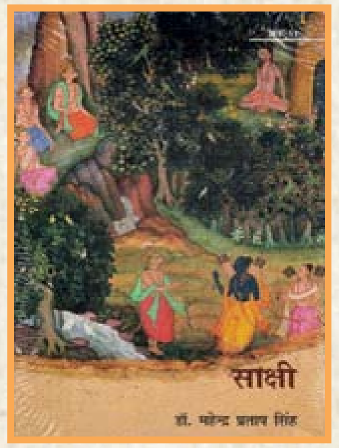

शोध कार्य

संस्थान द्वारा प्राचीन संस्कृति एवं रामलीला पर आधारित शोध हेतु संस्थान द्वारा प्रदत्त वित्तीय सहायता से संचालित शोध कार्यो का विवरण–

	विषय	शोधकर्ता
1.	लखनऊ की रामलीला पर आधारित साक्षी	आलोक पराड़कर
2.	कानपुर की परशुरामी पर शोध	डॉ0 दीप कुमार शुक्ल
3.	कानपुर का धनुषयज्ञ एवं लक्ष्मण–परशुराम संवाद	डॉ0 दीप कुमार शुक्ल
4.	तेलगु लोक साहित्य में राम तत्व	प्रो0 आई0 एन0 चन्द्रशेखर रेड्डी
5.	अवध की रामलीला में मुसलमानों का योगदान	श्री अखिलेश दीक्षित
6.	Anthropological Encyclopedia of Awadh	Prof. Nadeem Hasnain
7.	प्रतापगढ़ जनपद का सांस्कृतिक विरासत	डॉ नीतू सिंह
8.	भारत व श्रीलंका की रामलीला	सुश्री अमिला दमयन्ती
9.	भारतीय भाषाओं में रामकथा– उड़िया, हरियाणवी, मलयालम, असमिया, उर्दू, फारसी, भोजपुरी, ब्रज, मराठी।	डॉ0 योगेन्द्र प्रताप सिंह
10.	सांस्कृतिक विरासत (साक्षी–1 का द्वितीय संस्करण)	श्री रघुबर शरण एवं श्री कमलाकान्त सुन्दरम

संस्थान की सहायता से प्रकाशित ग्रन्थ

संस्थान द्वारा प्रत्येक वर्ष पुरातन संस्कृति एवं रामलीला विषयक विभिन्न ग्रन्थों का प्रकाशन करवाया जाता है। जिससे जन सामान्य को संस्कृति एवं सभ्यता से जुड़ाव एवं जानकारी सुलभ हो –

क्र.	पुस्तक का नाम	लेखक/संपादक/संकलनकर्ता
1.	अवधी लोक भाषा की व्यंड़्योक्तियां	श्री सदाशिव त्रिवेदी
2.	रामलीला की उत्पत्ति एवं विकास	श्री मोहनराम यादव
3.	रत्नहरि के राम काव्य का समीक्षात्मक अध्ययन	डॉ0 हरदीप सिंह
4.	श्री रामचरितमानस	प0 राम नरेश त्रिपाठी
5.	साही जतरा– श्री जगन्नाथ की रामलीला परम्परा	डॉ0 नीतू सिंह
6.	Sahi Jatra, Ramlila Tradition of Sri Jagannath	डॉ0 नीतू सिंह
7.	Ramman	डॉ0 अंजली चौहान
8.	भारतीय भाषाओं में रामकथा (तेलगु)	डॉ0 एम. शेषन
9.	भारतीय भाषाओं में रामकथा (पंजाबी)	डॉ0 हरमेन्द्र सिंह बेदी
10.	राम की वैश्विक यात्रा	अयोध्या शोध संस्थान
11.	जनजातीय जीवन में राम	श्री बसन्त निरगुणे
12.	श्री रामचरितमानस	महाराज करुणासिंधु
13.	अवध की थारू जनजाति : संस्कार एवं कला	दीपा सिंह रघुवंशी
14.	मइहर के अँगना	दीपा सिंह रघुवंशी
15.	Ram Lilas in North India and Mouritius	Indrani Rampersad

संस्थान द्वारा साक्षी पत्रिका का प्रकाशन

क्र.सं.		पुस्तक का नाम	लेखक/संपादक/संकलनकर्ता
1.	साक्षी–45	रामलीला की उत्पत्ति एवं विकास	श्री राममोहन यादव
2.	साक्षी–46	अयोध्या की विविध छवियाँ	डॉ0 अवधेश मिश्र
3.	साक्षी–47	अयोध्या के राजा और स्थापत्य	डॉ0 अवधेश मिश्र
4.	साक्षी–24	भारतीय भाषाओं में रामकथा (पंजाबी)	डॉ0 हरमेन्द्र सिंह बेदी
5.	साक्षी–48	जनजातीय जीवन में राम	श्री बसन्त निरगुणे
6.	साक्षी– 49		दीपा सिंह रघुवंशी
7.	साक्षी– 50		दीपा सिंह रघुवंशी
8.	साक्षी– 53		Indrani Rampersad

राज्य ललित कला अकादमी उत्तर प्रदेश

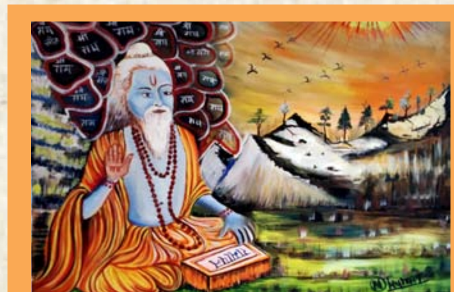

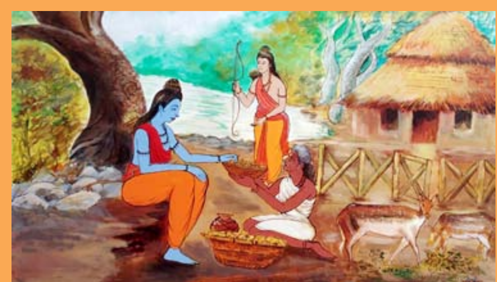

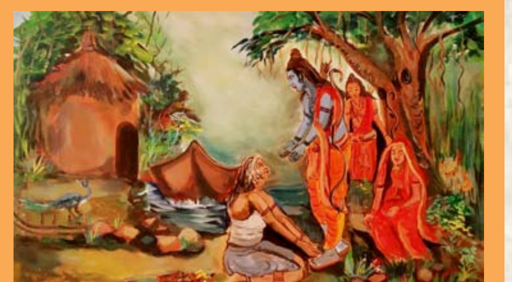

तुलनात्मक विवरण

वित्तीय वर्ष 2017–18, 2018–19 एवं 2019–20

पूर्व सरकार के कार्यकाल में वित्तीय वर्ष 2015–16 एवं 2016–17 की स्थिति

	2015–16 में आयोजित कार्यक्रम	2016–17 में आयोजित कार्यक्रम
1. अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम	01 कार्यक्रम	0
2. राष्ट्रीय / अखिल भारतीय / अंतर्राज्यीय कार्यक्रम	01 कार्यक्रम	01 कार्यक्रम
3. प्रदेश स्तरीय कार्यक्रम	02 कार्यक्रम	0
4. क्षेत्रीय स्तरीय कार्यक्रम	02 कार्यक्रम	0
5. जिला स्तरीय कार्यक्रम	25 कार्यक्रम	19 कार्यक्रम
6. नवीन / विशिष्ट कार्यक्रम	0	0
कुल	31 कार्यक्रम	20 कार्यक्रम

वर्तमान सरकार के कार्यकाल में वित्तीय वर्ष 2017–18, 2018–19 एवं 2019–20 की स्थिति

	2017–18 में आयोजित कार्यक्रम	2018–19 में आयोजित कार्यक्रम	2019–20 में 10 सितम्बर 2019 तक के आयोजित कार्यक्रम
1. अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम	01 कार्यक्रम	01 कार्यक्रम	0
2. राष्ट्रीय / अखिल भारतीय / अंतर्राज्यीय	08 कार्यक्रम	07 कार्यक्रम	01 कार्यक्रम
3. प्रदेश स्तरीय कार्यक्रम	03 कार्यक्रम	01 कार्यक्रम	01 कार्यक्रम
4. क्षेत्रीय स्तरीय	06 कार्यक्रम	08 कार्यक्रम	0
5. जिला स्तरीय कार्यक्रम	20 कार्यक्रम	92 कार्यक्रम	33 कार्यक्रम
6. नवीन / विशिष्ट कार्यक्रम	08 कार्यक्रम	16 कार्यक्रम	01 कार्यक्रम
कुल	46 कार्यक्रम	125 कार्यक्रम	36 कार्यक्रम

स्थान : राज्य संग्रहालय, लखनऊ

पं. दीनदयाल उपाध्याय जन्मशती समारोह

विश्व पर्यावरण दिवस पर

पं. दीनदयालय उपाध्याय जन्मशती समारोह के अन्तर्गत अंत्योदय दर्शन को दृष्टिगत रखते हुए गरीब एवं निर्धन बच्चों को समाज की मुख्यधारा से जोड़ने हेतु एवं उन्हें पर्यावरण के प्रति जागरूक करने हेतु विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर 05 जून, 2017 को लखनऊ की संस्था 'उम्मीद' के सहयोग से 511 छात्र/छात्राओं को कला सामग्री उपलब्ध कराकर चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। उत्कृष्ट चित्रांकन के लिये प्रोत्साहित करने हेतु पुरस्कार भी प्रदान किये गये।

शिक्षक दिवस के अवसर पर

''कला आचार्य'' प्रदर्शनी

राज्य ललित कला अकादमी, उ0प्र0 द्वारा कला शिक्षकों को भी विशिष्ट मंच प्रदान करने के लिये प्रथम बार कला आचार्य प्रदर्शनी की परिकल्पना की गयी एवं पाँच दिवसीय प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर लखनऊ मण्डल के विभिन्न जिलों में शिक्षण कार्य कर रहें एवं अवकाश प्राप्त कला शिक्षकों की कृतियाँ प्रदर्शित की गयी। अकादमी के इस आयोजन का कला जगत में उत्साहपूर्वक स्वागत किया गया। इसकी सफलता को देखते हुये, अगामी वर्ष में प्रदेश स्तर पर 8 प्रमुख स्थानों पर इस आयोजन को विस्तारित किये जाने की योजना बनायी गई।

दिनांक : 05 सितम्बर, 2017
स्थान : कला स्रोत वीथिका, लखनऊ

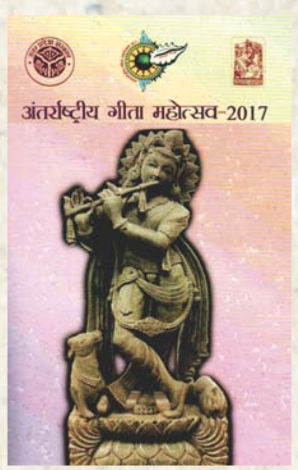

अन्तर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव-2017

कला प्रदर्शनी

25 से 30 नवम्बर, 2017 तक

हरियाणा सरकार द्वारा कुरुक्षेत्र (हरियाणा) में वर्ष 2017 में आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव के अवसर पर उत्तर प्रदेश को सहयोगी राज्य के रूप में आमंत्रित किया गया था। इस अवसर पर संस्कृति विभाग द्वारा भव्य रूप से विभिन्न आयोजन किये गये। राज्य ललित अकादमी द्वारा भी उक्त आयोजन में अपनी अहम भूमिका प्रस्तुत की गयी। अकादमी द्वारा कृष्ण के बाल एवं विराट स्वरूप से युक्त लीलाओं से लेकर गीता के उपदेश तक के काल–खण्ड को अभिव्यक्त करने वाले 45 चित्रों की एक भव्य छः दिवसीय प्रदर्शनी का आयोजन किया गया।

राष्ट्रीय कार्यशाला एवं प्रशिक्षण

लोक कला–कल और आज

अकादमी द्वारा दृश्य कला के क्षेत्र में लोक कलाकारों को मंच प्रदान करते हुये लोक विचारों एवं कला को अभिव्यक्त करने हेतु ''लोक कला–कल और आज'' शीर्षक से राष्ट्रीय कार्यशाला एवं प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। जिसमें देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों से कुल 65 विद्वतजनों, शिक्षकों व शोधार्थियों द्वारा प्रतिभाग किया गया। उक्त कार्यक्रम का समापन माननीय संस्कृति मंत्री, उत्तर प्रदेश, श्री लक्ष्मी नारायण चौधरी द्वारा दिनांक 17 जनवरी, 2018 को अकादमी परिसर में किया गया।

उत्तर प्रदेश दिवस

उत्तर प्रदेश की कहानी–रंगों की जुबानी

प्रथम बार आयोजित किये गये उत्तर प्रदेश दिवस के अवसर पर राज्य ललित कला अकादमी, उ0प्र0 द्वारा उत्तर प्रदेश के विभिन्न क्षेत्र से चयनित 50 कलाकारों का त्रिदिवसीय कला शिविर अकादमी परिसर में 18 से 20 जनवरी, 2018 को आयोजित किया गया, जिसमें कलाकारों ने उत्तर प्रदेश के विस्तृत परिदृश्य को अपने रंगों के माध्यम से अभिव्यक्त किया। उक्त शिविर के फलस्वरूप सृजित कृतियों में चयनित 34 उत्कृष्ट चित्रों की एक सुन्दर त्रिदिवसीय प्रदर्शनी का आयोजन अवध शिल्पग्राम, लखनऊ में किया गया। उक्त प्रदर्शनी का उद्घाटन महामहिम, उपराष्ट्रपति श्री वेंकैया नायडू, माननीय राज्यपाल, उत्तर प्रदेश, श्री राम नाईक एवं माननीय मुख्य मंत्री, उत्तर प्रदेश, श्री योगी आदित्यनाथ जी द्वारा किया गया।

कला प्रदर्शनी
दिनांक : 24 से 26 जनवरी, 2018
स्थान : अवध शिल्पग्राम, लखनऊ

अकादमी स्थापना दिवस–2018

कला मेला, कला प्रदर्शनियाँ, राष्ट्रीय कला परिचर्चा, राष्ट्रीय चित्रकार शिविर, वरिष्ठ कलाकारों का सम्मान एवं सजीव चित्रांकन प्रदर्शन

अकादमी द्वारा एक लम्बे समय अन्तराल के बाद वर्ष 2018 में अपना 56वाँ स्थापना दिवस ''कला पर्व'' के रूप में 08 से 14 फरवरी, 2018 तक अकादमी परिसर, लखनऊ में मनाया गया। इस स्थापना दिवस के अवसर पर अकादमी परिसर में लगभग 34 प्रदर्शनियाँ विभिन्न विश्वविद्यालयों/ महाविद्यालय के कलाकरों से आमंत्रित कर लगायी गयी। इसी अवसर पर राष्ट्रीय चित्रकार शिविर, राष्ट्रीय कला परिचर्चा, कला मेला एवं सजीव चित्रांकन प्रदर्शन के विविध आयोजन किये गये। अकादमी द्वारा प्रथम बार उत्तर प्रदेश के 5 ऐसे वरिष्ठ कलाकारों को सम्मानित किया गया, जिन्होंने आजीवन कला के क्षेत्र में अपना महत्वपूर्ण योगदान देकर प्रदेश के सम्मान को राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर बढ़ाया। अकादमी के इस स्थापना दिवस के विविध कार्यक्रमों का शुभारम्भ माननीय संस्कृति मंत्री, उत्तर प्रदेश, श्री लक्ष्मी नारायण चौधरी, एवं समापन लखनऊ की माननीय महापौर श्रीमती संयुक्ता भाटिया द्वारा किया गया।

आयोजन : राज्य ललित कला अकादमी, उत्तर प्रदेश एवं क्षेत्रीय सांस्कृतिक केन्द्र, वाराणसी

बुद्ध पूर्णिमा के अवसर पर
द्विस्तरीय चित्रकला प्रतियोगिता व प्रदर्शनी

प्रथम चरण की प्रतियोगिता में 28.04.2018 को वाराणसी के नया अस्सी घाट पर प्रथम वर्ग कक्षा 9 से 12 एवं द्वितीय वर्ग स्नातक/स्नातकोत्तर में विभिन्न शिक्षण संस्थाओं के लगभग 300 छात्र–छात्राओं द्वारा प्रतिभाग किया गया। इनमें से उत्कृष्ट चित्र सृजन के आधार पर त्रिसदस्यीय चयन समिति द्वारा द्वितीय चरण के लिए 114 प्रतिभागियों का चयन किया गया।

द्वितीय चरण की प्रतियोगिता के लिए 20 शिक्षण संस्थाओं के सफल युवा कलाकारों द्वारा 30.04.2018 को सारनाथ स्थित महाबोधि मन्दिर परिसर में कैनवास पर भगवान बुद्ध की जीवनगाथा की विभिन्न स्वरूपों के रंगों के माध्यम से जीवन्त किया। सृजित चित्रों में से दोनों वर्गों में पुरस्कार हेतु 5–5 उत्कृष्ट चित्र चार सदस्यीय चयन समिति के माध्यम से चयनित किए गये। प्रतिभागीयों में प्रथम वर्ग कक्षा 9–12 एवं द्वितीय वर्ग स्नातक/स्नातकोत्तर को अकादमी द्वारा रु. 2100 प्रति के पुरुस्कार, प्रमाण पत्र, स्मृति चिन्ह प्रदान किए गए। शेष सभी द्वितीय चरण के सफल प्रतिभागियों को प्रमाण–पत्र प्रदान किए गए।

स्ववित्तपोषित योजना
ग्रीष्मकालीन चित्रकला कार्यशाला एवं प्रदर्शनी

राज्य ललित कला अकादमी, उ0प्र0 द्वारा युवाओं में कला की अभिरूचि जाग्रत करने के उद्देश्य से विगत 18 वर्षों से ग्रीष्मावकाश में एक माह की स्ववित्तपोषित चित्रकला की कार्यशालाओं का आयोजन 10 से 17 व 18 से 25 वर्ष आयु वर्ग में अकादमी परिसर सहित प्रदेश के विभिन्न स्थानों पर नामित संयोजकों/शिक्षण संस्थाओं के माध्यम से किया गया। इसी क्रम में परिसर सहित प्रदेश के अन्य 18 जिलों वाराणसी, इलाहाबाद, गोरखपुर, कानपुर, आगरा, जौनपुर, मिर्जापुर, सहारनपुर, बरेली, आगरा, मेरठ, बलिया, चित्रकूट, झांसी, बिजनौर, अलीगढ़, फैजाबाद व मुजफ्फरनगर आदि सहित 30 कार्यशालाएं एवं प्रदर्शनियों का आयोजन किया गया। इन कार्यशालाओं में लगभग 1250 प्रतिभागियों द्वार प्रशिक्षण प्राप्त किया गया। ग्रीष्मकालीन कार्यशाला के सभी प्रशिक्षुओं को अकादमी द्वारा प्रमाण पत्र प्रदान किये गये।

15 मई से 30 जून, 2018 तक

संयोजक एवं आयोजन स्थल :

डॉ. अभिनव गुप्त, महात्मा गाँधी कला वीथिका, इलाहाबाद डॉ. बृजेश कटियार,सी.एस.जे.एम. वि.वि., कानपुर। डॉ. सुनीता गुप्ता, चित्रकला विभाग, डी.एस. कालेज, अलीगढ़ डॉ. मंजू सिंह,चित्रकला विभाग, बरेली कालेज, बरेली। डॉ. नीलिमा गुप्ता, ईस्माइल नेशनल पी.जी. कालेज, मेरठ डॉ. रतन कुमार, कला स्रोत आर्ट गैलेरी, लखनऊ। डॉ. रेखा रानी, दृश्य कला विभाग, सी.आर.डी. पी.जी. कालेज,गोरखपुर डॉ. सुनील कुमार कुशवाहा, बी.एच.यू., वाराणसी।

शिक्षक दिवस के अवसर पर
कला आचार्यों की कृतियों की कला प्रदर्शनियाँ

भारत की गुरू शिष्य परम्परा को दृश्यकला के क्षेत्र में प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से अकादमी द्वारा कला शिक्षकों के कृतित्व को शिक्षक दिवस के अवसर पर प्रदर्शित करने हेतु कला–आचार्य प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। वर्ष 2018 में प्रदेश को 08 क्षेत्रों में वर्गीकृत करते हुए कला शिक्षकों की प्रदर्शनियों का आयोजन गोरखपुर, वाराणसी, इलाहाबाद, कानपुर, अलीगढ़, बरेली, मेरठ व लखनऊ में किया गया। इन प्रदर्शनियों में लगभग 400 कला शिक्षकों की प्रतिभागिता सुनिश्चित हुई।

राष्ट्रीय चित्रकार शिविर एवं युवा कलाकारों की कार्यशाला

राज्य ललित कला अकादमी, उ0प्र0 एवं इंस्टीट्यूट ऑफ फाईन आर्ट्स, छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर के संयुक्त तत्वावधान में राष्ट्रीय चित्रकार शिविर एवं कार्यशाला का आयोजन दिनांक 23 से 29 सितम्बर, 2018 तक विश्वविद्यालय परिसर, कानपुर में किया गया। इस राष्ट्रीय चित्रकार शिविर में श्री आनन्द देव शर्मा, दिल्ली, श्री अशोक कुमार सिंह, आगरा, डॉ0 आलोक भावसार, भोपाल, डॉ0 अमृत लाल, मेरठ, डॉ0 कुमुद बाला, कानपुर, डॉ0 मंजू सिंह, बरेली, डॉ0 नम्रता स्वर्णकार, राजस्थान, श्री आर0 पी0 निगम, देहरादून, श्री रघु नेवरे, महाराष्ट्रा, डॉ0 रामशब्द सिंह, सहारनपुर सम्मिलित हुए।

महात्मा गाँधी जी की 150वीं जयन्ती के स्मरणोत्सव के अन्तर्गत दिव्यांग छात्र, छात्राओं की चित्रकला प्रतियोगिता एवं प्रदर्शनी

महात्मा गाँधी जी की 150वीं जयन्ती के उपलक्ष्य पर प्रदेश सरकार की प्रेरणा एवं संस्कृति विभाग, उ0प्र0 शासन के सहयोग से राज्य ललित कला अकादमी, उत्तर प्रदेश द्वारा अवध शिल्पग्राम, लखनऊ में 02 व 03 अक्टूबर, 2018 को स्मरणोत्सव का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अकादमी द्वारा चित्र प्रदर्शनी (दिव्यांग छात्रों, कलाकारों द्वारा सृजित), हस्तशिल्प चित्र प्रदर्शनी (गेंहूँ डंठल के भूसे से सृजित चित्र) एवं दिव्यांग छात्र/कलाकारों द्वारा महात्मा गाँधी के व्यक्तित्व व कृतित्व पर आधारित चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रदर्शनी व प्रतियोगिता का उद्घाटन मा0 मुख्यमंत्री तथा मा0 राज्यपाल, उत्तर प्रदेश के कर कमलों द्वारा सम्पन्न हुआ।

आयोजक : राज्य ललित कला अकादमी, उत्तर प्रदेश, संस्कृति विभाग, उत्तर प्रदेश के सहयोग से

भारत–श्रीलंका
अन्तर्राष्ट्रीय रामायण कला शिविर एवं कार्यशाला

31 अक्टूबर से 04 नवम्बर, 2018 तक स्थान : अकादमी परिसर, लखनऊ

प्रदर्शनी 06 नवम्बर, 2018 स्थान : रामकथा संग्रहालय, अयोध्या

राज्य ललित कला अकादमी, उत्तर प्रदेश एवं अयोध्या शोध संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में भारत एवं श्रीलंका के कलाकारों का रामायण पर आधारित रचनाकार शिविर आयोजित किया गया। इसमें श्रीलंका के 5 कलाकार एवं भारत के 5 वरिष्ठ कलाकारों ने भाग लिया। कलाकारों द्वारा 2–2 कृतियों का सृजन किया गया। इस अवसर पर ही 10 युवा कलाकारों की कार्यशाला का भी आयोजन किया गया। रचनाकार शिविर एवं कार्यशाला में कुल 30 कला कृतियाँ सृजित हुई, जिनकी प्रदर्शनी, रामकथा संग्रहालय अयोध्या में आयोजित की गयी। रचनाकार शिविर में श्रीलंका से श्री डी.एम.आर. दलपीतिया, श्री संदथाराका अबेसिंघे, श्री के. एम. थरंगा, सुश्री कल्पनी, सुश्री ग्यासा रूवनपेथिराना तथा भारत से श्री एन. के. मिश्रा, गाजीयाबाद, श्री राजेन्द्र प्रसाद, लखनऊ, डॉ. सविता नाग, मेरठ, श्री डी.पी. मोहन्ती, वाराणसी एवं श्री परमात्मा प्रसाद श्रीवास्तव, लखनऊ सम्मिलित हुये।

भारतरत्न श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी की 95वीं जयन्ती समारोह

चित्रकार शिविर / कला प्रदर्शनी

भारतरत्न श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी की 95वीं जयन्ती के अवसर पर अकादमी द्वारा 24 दिसम्बर, 2018 को एक दिवसीय चित्रकार शिविर का जिसमें 30 कलाकारों ने भाग लेकर बाजपेयी जी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर आधारित कला कृति का सृजन किया गया। शिविर में में सृजित सभी 30 चित्रों की प्रदर्शनी का आयोजन अटल बिहारी वाजेपेयी कन्वेन्शन सेन्टर, लखनऊ में 25 व 26 दिसम्बर, 2018 को किया गया। प्रदर्शनी का उद्घाटन मा. राज्यपाल श्री राम नाईक एव लोकसभा अध्यक्ष, श्रीमती सुमित्रा महाजन द्वारा किया गया।

कुम्भ मेला प्रयागराज-2019 कला के रंग-कुम्भ के संग

अखिल भारतीय कला प्रदर्शनी अखिल भारतीय छायाचित्र प्रदर्शनी

कुम्भ मेला प्रयागराज, 2019
कला कुम्भ

कुम्भ मेला, प्रयागराज–2019 के अवसर पर 'कला के रंग कुम्भ के संग' शीर्षक से अखिल भारतीय स्तर की कला प्रदर्शनी हेतु चित्रकला, रेखांकन, ग्राफिक्स एवं मूर्ति विधा के अन्तर्गत सम्पूर्ण देश से 275 कलाकारों ने भाग लिया। चयनित 101 कलाकारों की 128 कलाकृतियाँ प्रदर्शित की गईं। इस प्रदर्शनी में 10 कलाकारों को रुपये पचास–पचास हजार पुरस्कार प्रदान किया गया।

अकादमी द्वारा आयोजित अन्य कार्यक्रम

राष्ट्रीय चित्रकार शिविर
दिनांक :27.01.2019 से 29.01.2019 तक
कुम्भ मेला, सेक्टर–7ए प्रयागराज
प्रदर्शनी :12.02.2019 से 14.02.2019 तक
परमार्थ निकेतन पण्डाल, सेक्टर–18 अरैल, प्रयागराज

अखिल भारतीय युवा चित्रकार शिविर एवं प्रदर्शनी
शिविर :01 से 03 दिसम्बर, 2018 लखनऊ
प्रदर्शनी :16.02.2019 से 04.03.2019 तक
कला कुम्भ पण्डाल, सेक्टर–19 अरैल, प्रयागराज

विश्वविद्यालय स्तरीय चित्रकला प्रतियोगिता एवं प्रदर्शनी 11 विश्वविद्यालय/महाविद्यालयों में
प्रतियोगिता :माह नवम्बर– दिसम्बर, 2018
प्रदर्शनी :16.02.2019 से 04.03.2019 तक
कला कुम्भ पण्डाल, सेक्टर–19 अरैल, प्रयागराज

चित्रकला कार्यशाला (माध्यम जल रंग)
दिनांक :12.02.2019 से 16.02.2019 तक
कला कुम्भ पण्डाल, सेक्टर–19 अरैल, प्रयागराज

राज्य स्तरीय चित्रकला प्रतियोगिता
दिनांक :17 फरवरी, 2019
कला कुम्भ पण्डाल, सेक्टर–19 अरैल, प्रयागराज

मूर्तिकला कार्यशाला (माध्यम क्ले)
दिनांक :26.02.2019 से 02.03.2019 तक
कला कुम्भ पण्डाल, सेक्टर–19 अरैल, प्रयागराज

अन्तर्राष्ट्रीय महिला चित्रकला प्रतियोगिता
दिनांक :02 मार्च, 2019
कला कुम्भ पण्डाल, सेक्टर–19 अरैल, प्रयागराज

स्ववित्तपोषित योजना

ग्रीष्मकालीन चित्रकला कार्यशाला एवं प्रदर्शनी

राज्य ललित कला अकादमी, उत्तर प्रदेश एवं नामित संयोजकों/कला एवं शिक्षण संस्थाओं के माध्यम से प्रदेश के 32 स्थानों पर ग्रीष्मकालीन चित्रकला कार्यशालाओं का आयोजन 15 मई से 30 जून, 2019 तक प्रदेश के विभन्न स्थानों पर किया गया, जिसमें लगभग 1200 युवा प्रशिक्षुओं द्वारा चित्रकला का प्रशिक्षण ग्रहण किया। सभी प्रशिक्षुओं को अकादमी द्वारा प्रमाण–पत्र प्रदान किये गये। प्रमुख रूप से आयोजन लखनऊ, कानपुर, चित्रकूट, झाँसी, आगरा, अलीगढ़, गाजियाबाद, मुजफ्फरनगर, बरेली, गोरखपुर, अयोध्या, प्रयागराज, वाराणसी, मिर्जापुर आदि शहरों में किया गया।

श्रीकृष्ण जन्मोत्सव-2019

कृष्ण लीलाओं पर आधारित चित्रांकन

दिनांक : 22 से 25 अगस्त, 2019

राज्य ललित कला अकादमी, उत्तर प्रदेश द्वारा श्रीकृष्ण जन्मोत्सव–2019 के अवसर पर रामलीला मैदान, मथुरा में 150 मीटर के कैनवास पर प्रदेश के लगभग 100 युवा/वरिष्ठ कलाकारों के सहयोग से श्रीकृष्ण की लीलाओं के विविध रूपों को चित्रांकित कराया गया। उक्त आयोजन में अलीगढ़, लखनऊ, बाराबंकी, कानपुर, आगरा, सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, अमरोहा, मेरठ, दिल्ली, गाजियाबाद, नोएडा के कलाकारों के साथ–साथ मथुरा के स्थानीय कलाकारों द्वारा रंगों के माध्यम से श्रीकृष्ण के प्रति अपने भावों को अभिव्यक्त किया गया।

पद्मश्री डॉ. विष्णु श्रीधर वाकणकर जन्म शताब्दी वर्ष

राज्य स्तरीय चित्रकला प्रतियोगिता

राज्य ललित कला अकादमी, उत्तर प्रदेश द्वारा पद्मश्री डॉ. विष्णु श्रीधर वाकणकर जन्म शताब्दी वर्ष के अवसर पर उनके व्यक्तित्व, कृतित्व एवं शैलचित्र/भित्ति चित्रांकन पर आधारित चित्रांकन की प्रतियोगिता, दिनांक 09 व 10 सितम्बर, 2019 को कला एवं शिल्प महाविद्यालय, लखनऊ में आयोजित की गयी। प्रदेश के 75 युवा स्नातक, स्नातकोत्तर एवं शोधार्थी छात्र/छात्राओं ने इस प्रतियोगिता में प्रतिभाग किया, जिसमें 10 उत्कृष्ट चित्रांकन के कलाकारों को रुपये दस–दस हजार की पुरस्कार राशि, अंगवस्त्र, प्रमाण–पत्र प्रदान किया गया एवं शेष प्रतिभागियों को प्रतिभागिता प्रमाण–पत्र प्रदान किया गया। प्रतियोगिता का शुभारम्भ प्रो0 एस.पी.सिंह, कुलपति, लखनऊ विश्वविद्यालय द्वारा एवं प्रदर्शनी का उद्घाटन, पुरस्कार एवं प्रमाण–पत्र वितरण मुख्य अतिथि, डॉ0 नीलकंठ तिवारी, माननीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), संस्कृति विभाग, उत्तर प्रदेश के कर कमलों द्वारा सम्पन्न हुआ।

उत्तर प्रदेश संगीत नाटक अकादमी, लखनऊ

अकादमी की स्थापना 13 नवम्बर, 1963 को हुई थी। पिछले 56 वर्षो से अकादमी संगीत, नृत्य, नाटक, लोकसंगीत, लोकनाट्य की परम्पराओं के प्रचार–प्रसार, संवर्द्धन एवं परिरक्षण का महत्वपूर्ण कार्य कर रही है।

प्रदेश के नवोदित, बाल,किशोर एवं युवा कलाकारों को प्रोत्साहन

अकादमी द्वारा विगत 1975 से प्रतिवर्ष शास्त्रीय संगीत प्रतियोगिता का आयोजन दो चरणों यथा– प्रथम चरण में सम्भागीय स्तर पर तथा दूसरे चरण में इन सम्भागीय स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त कलाकारों को प्रादेशिक प्रतियोगिता में आमंत्रित किया जाता है।

इस प्रतियोगिता का उद्देश्य प्रदेश में शास्त्रीय संगीत के क्षेत्र में उभरती नवोदित प्रतिभाओं को खोजकर उन्हें व्यावसायिक कला के क्षेत्र में पदार्पण करने हेतु प्रोत्साहित करना है।

वित्तीय वर्ष 2017–18, 2018–19 में सम्भागीय संगीत प्रतियोगिता एवं प्रादेशिक संगीत प्रतियोगिता तथा उल्लास उत्सव का आयोजन किया जा चुका है।

प्रकाशन

अकादमी द्वारा संगीत, नृत्य एवं नाट्य पर आधारित त्रैमासिक पत्रिका 'छायानट' का प्रकाशन किया जाता है। अब तक छायानट के 154 अंक प्रकाशित हो चुके हैं।

नाट्य समारोह

अपने नियमित कार्यक्रमों के अन्तर्गत अकादमी द्वारा प्रत्येक वर्ष प्रदेश के तीन–चार जनपदों में चार से पांच दिवसीय सम्भागीय नाट्य समारोह एवं पांच से छः दिवसीय राज्य नाट्य समारोह का आयोजन प्रदेश के विभिन्न जनपदों मे सम्पन्न किया जाता है। विगत वित्तीय वर्ष में अकादमी द्वारा जनपद– बाराबंकी, गोरखपुर एवं सहारनपुर में सम्भागीय नाट्य समारोहों का आयोजन किया जा चुका है।

अवध संध्या

अकादमी द्वारा प्रत्येक माह के चौथे शुक्रवार को अवध संध्या का आयोजन किया जाता है। इसके अन्तर्गत शास्त्रीय, उपशास्त्रीय, सुगम संगीत एवं नृत्य, नाटक तथा लोक संगीत के कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। इसी क्रम में विगत वित्तीय वर्ष में अवध संध्या कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इसी कड़ी में दिनांक 05.04.2019 को मुम्बई की संस्था के नाटक ''नमस्ते जयश्री कृष्ण'' का मंचन तथा दिनांक 21 जून, 2019 को श्री अनूप जलोटा, मुम्बई के भजन गायन के कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

नवांकुर संगीत समारोह

अकादमी द्वारा विगत 42 वर्षो से आयोजित शास्त्रीय संगीत प्रतियोगिता के गायन, वादन एवं नृत्य के विजेता कलाकारों को मंच प्रदान करने के उद्देश्य से नवांकुर संगीत समारोह श्रृंखला का आयोजन किया जाता रहा है। इस समारोह की विशेषता है कि किसी एक जनपद के कलाकारों को दूसरे जनपद में जाकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करना होता है, जिससे कि एक क्षेत्र के कलाकारों एवं उनकी कला का दूसरे क्षेत्र के कलाकारों को जानने एवं उनकी कला को समझने का अवसर मिलता है। नवांकुर संगीत समारोह को यथा– कानपुर, आगरा, मेरठ, सहारनपुर, बदायूं, वाराणसी, गोरखपुर, झांसी, मथुरा, विन्ध्याचल, मुरादाबाद, वृन्दावन, बरेली, आज़मगढ़, अलीगढ़, फैज़ाबाद, लखनऊ आदि में सम्पन्न किया गया।

यादें

गज़ल साम्राज्ञी स्व0 बेगम अख्तर की स्मृति में अकादमी द्वारा प्रत्येक वर्ष 30 अक्टूबर को ''बेगम अख्तर स्मृति समारोह के अन्तर्गत गज़ल कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है।

धरोहर

अकादमी के स्थापना दिवस के अवसर पर प्रत्येक वर्ष 13 नवम्बर को ''धरोहर'' शीर्षक से कार्यक्रम का शुभारम्भ वर्ष 2001 में किया गया था। इसी कड़ी में दिनांक 13.11.2018 को स्टेम डांस कम्पनी, बैंगलोर की कथक नृत्य प्रस्तुतियां कराई गयी।

कार्यशालाएं

(1) कथक नृत्य कार्यशाला :–

अकादमी द्वारा प्रत्येक वर्ष की भांति वित्तीय वर्ष 2017–18, 2018–19 एवं 2019–20 में दिनांक 01 जून से 30 जून तक कथक नृत्य कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसमें तैयार प्रस्तुति का मंचन भी अकादमी परिसर स्थित संत गाडगेजी महाराज प्रेक्षागृह में किया गया।

(2) नाट्य कार्यशाला :–

अकादमी द्वारा प्रत्येक वर्ष की भांति वर्ष 2017–18, 2018–19 एवं 2019–20 में प्रस्तुतिपरक नाट्य कार्यशाला का आयोजन अकादमी परिसर में किया गया। इस कार्यशाला में भाग लेने वाले प्रतिभागियों को सम्मिलित करते हुए प्रस्तुति तैयार प्रस्तुति आयोजित की गयी।

(3) गायन कार्यशाला–

अकादमी द्वारा एक माह की गायन कार्यशाला का आयोजन। दिनांक 08.02.2018 से 07.03.2018 तक किया गया।

(4) लोकनृत्य कार्यशाला–

अकादमी द्वारा एक माह की लोकनृत्य कार्यशाला का आयोजन दिनांक 20.02.2018 से 19.03.2018 तक किया गया।

(5) कथक नृत्य कार्यशाला–

अकादमी द्वारा एक माह की गायन कार्यशाला का आयोजन दिनांक 28.02.2018 से 27.03.2018 तक किया गया। उक्त तीनों कार्यशालाओं की प्रस्तुतियों का प्रस्तुतिकरण दिनांक 28.03.2018 को संत गाडगेजी महाराज प्रेक्षागृह में किया गया। इसी कड़ी में वर्ष 2019–20 में गोरखपुर, वाराणसी एवं बस्ती में विभिन्न कार्यशालाओं का आयोजन किया गया।

कथक केन्द्र

लखनऊ घराने की कथक परम्परा के प्रचार–प्रसार के उद्देश्य से वर्ष 1972 में लखनऊ घराने के सुविख्यात कथकाचार्य स्व0 पं0 लच्छू महाराज (पं0 वैजनाथ मिश्र) के निर्देशन में उत्तर प्रदेश संगीत नाटक अकादमी के अन्तर्गत स्थापित कथक केन्द्र नियमित विशेष रूप से निर्मित दस वर्षीय पाठयक्रम के अर्न्तगत प्रारम्भिक पाठ्यक्रय, जूनियर डिप्लोमा एवं सीनियर डिप्लोमा की कक्षाओं में छात्र–छात्राओं को कथक नृत्य का प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है। कथक केन्द्र द्वारा कथक नृत्य प्रशिक्षण के साथ–साथ कथक केन्द्र के सीनियर छात्र–छात्राओं को सम्मिलित करते हुये नृत्य–नाटिकाओं का निर्माण भी किया जाता है, जिनका प्रस्तुतिकरण नगर एवं नगर के बाहर समय–समय पर अनेक सरकारी एवं गैर सरकारी आयोजनों में किया जाता है।

नमन

अकादमी एवं कथक केन्द्र द्वारा प्रत्येक वर्ष कथकाचार्य गुरू लच्छू महाराज जी की स्मृति में दिनांक 31 अगस्त एवं 01 सितम्बर को ''नमन'' शीर्षक से दो दिवसीय कथक समारोह का आयोजन किया जाता है।

अटल जी की जयन्ती पर कार्यक्रम

अकादमी द्वारा अटल जी की जयन्ती के अवसर पर दिनांक 28 से 30 दिसम्बर, 2018 की अवधि में तीन दिवसीय समारोह ''आओ फिर से दिया जलाएं'' शीर्षक से आयोजित किया गया।

पुरस्कार

अकादमी द्वारा 128 महान विभूतियों को अकादमी पुरस्कारों से सम्मानित किया गया।

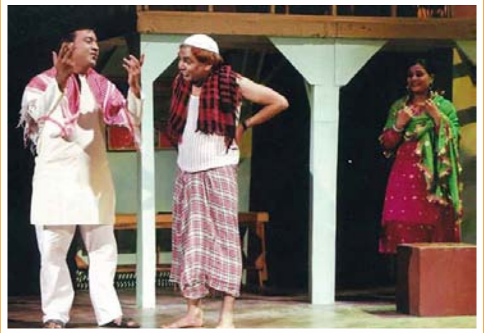

भारतेन्दु नाट्य अकादमी, लखनऊ

हिन्दी भाषी प्रान्तों में प्रतिभावान व महत्वाकांक्षी युवाओं को नाट्यकला में प्रशिक्षण देने के उद्देश्य से भारतेन्दु नाट्य अकादमी की स्थापना अगस्त, 1975 में हुई थी। अकादमी उ0प्र0 शासन के संस्कृति विभाग के अन्तर्गत स्वायत्तशासी संस्थान के रूप में कार्य कर रही है। अकादमी का उद्देश्य रंगमंच के विभिन्न पहलुओं में व्यावहारिक व सैद्धान्तिक गहन परीक्षण प्रदान करना है।

उ0प्र0 सरकार के 36 माह में अकादमी द्वारा संचालित की गयी गतिविधियाँ :–

अकादमी द्वारा उत्तीर्ण भूतपूर्व छात्रों के निर्देशन में प्रदेश तथा देश के विभिन्न जनपदों में यथा – भभुआ (बिहार), कोटद्वार (उत्तराखण्ड), चांदा (सुल्तानपुर), बेगूसराय (बिहार), हिसार (हरियाणा), नागपुर (महाराष्ट्र), बलिया (उ0प्र0) में प्रस्तुतिपरक रंगमंच कार्यशालाओं का आयोजन किया गया।

अन्य कार्यक्रमों में हिन्दी रंगमंच दिवस के अवसर पर गज फुट इंच, अम्बेडकर जयन्ती के अवसर पर लहरों के राजहंस, भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी जी की 95वीं जयन्ती के अवसर पर नाट्य प्रस्तुति अटल–वाक्य तथा विश्व रंगमंच दिवस पर अन्तर्द्वन्द नामक नाटक की गरिमामय प्रस्तुति की गयी।

अकादमी द्वारा द्विवर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रम में अध्ययनरत विद्यार्थियों को विशिष्ट प्रशिक्षण प्रदान करने हेतु उ0प्र0 एवं देश के विभिन्न अन्य राज्यों से 72 अतिथि विशेषज्ञों को आमंत्रित किया गया।

अकादमी में प्रशिक्षण प्राप्त छात्र–छात्राओं द्वारा रंग मण्डल की कई प्रस्तुतियाँ की गयी जिसमें घासीराम, इन्साफ का घेरा, जाति ही पूछो साधु की, एडिंग मशीन, नागिन तेरा वंश बढ़े आदि प्रमुख है।

अकादमी द्वारा भारतेन्दु नाट्य समारोह, नई दिल्ली में दिनांक 09 से 11 मई, 2017 के मध्य छात्रों ने कई नाट्य प्रस्तुतियाँ दी गयी जिसमें – चन्द्रगुप्त, इंसाफ का घेरा, घासीराम कोटवाल, जानेमन, वह था सूरज, बलि और शम्भू, काठ की तोप, कोर्टमार्शल तथा विरासत।

विशेष – अकादमी द्वारा द्वितीय सत्र 2016–18 के 16 छात्रों को 56 दिवसीय फिल्म एवं टेलीविजन प्रशिक्षण हेतु सत्यजीत रे फिल्म एवं टेलीविजन संस्थान, कोलकाता भेजा गया।

रंगमण्डल की अन्य प्रस्तुतियों जैसे रिफ्लेक्शन अननोन, शाप ग्रस्त मच–मच गाड़ी संक्रमण आदि का प्रदेश के विभिन्न तथा अन्य प्रदेशों के जनपदों बस्ती, हरदोई, चण्डीगढ़, गोरखपुर, उदयपुर आदि में मंचन किया गया।

अकादमी द्वारा लोक भारती संस्था के संयुक्त तत्वावधान में सदानीरा, रंगपाखी के संयुक्त तत्वावधान में मुसाफिर किस्सों वाला, संस्कार भारती उ0प्र0 के संयुक्त तत्वावधान में सम्राट अशोक आदि नाट्य प्रस्तुतियाँ की गयीं।

राष्ट्रीय कथक संस्थान, लखनऊ

राष्ट्रीय कथक संस्थान की स्थापना संस्कृति विभाग के अन्तर्गत स्वायत्तशासी संस्थान के रूप में वर्ष 1988–89 में हुई थी। संस्थान का उद्देश्य उत्तर प्रदेश के मात्र शास्त्रीय नृत्य कथक के विविध घरानों की परम्पराओं का अभिलेखीकरण, युवा प्रतिभाओं को प्रोत्साहन, वरिष्ठ कलाकारों का संरक्षण, कथक नृत्य का संवर्द्धन एवं लुप्त हो गये व नवीन पक्षों पर शोध और कथक संग्रहालय की स्थापना है।

कथक एवं कथक की पूरक विधाओं का शिक्षण

विगत 30 माह में 6 से 28 वर्ष तक की छात्र/छात्राओं को कथक एवं कथक की अनुपूरक विधाओं में अभिरूचि पाठ्यक्रम से लेकर परास्नातक तक का प्रशिक्षण–शिक्षण एवं परीक्षा दिलायी गयी। जिसमें अभिरूचि पाठ्यक्रम में लगभग 1450 छात्र/छात्राओं को प्रशिक्षण प्रदान किया गया तथा 70 छात्र/छात्राओं ने स्नातक एवं परास्नातक की उपाधियाँ प्राप्त की।

मासिक कथक संध्या

विगत 30 माह में प्रत्येक माह के तृतीय शुक्रवार को अनवरत कथक संध्या का आयोजन किया गया और भविष्य में भी इसे सक्रियता प्रदान की जाती रहेगी। इस कथक संध्या में प्रतिभावान, उद्दीयमान कलाकारों को अपनी प्रतिभा दर्शाने का सुनहरा अवसर प्रदान किया गया। जिसमें लगभग 250 संस्थान के विद्यार्थियों एवं 261 कथक नृत्य से जुड़े कुशल कलाकारों द्वारा प्रस्तुति प्रदान कर नृत्य शैली को विस्तार दिया गया।

प्रादेशिक कथक आयोजन

विगत 30 माह में कथक संस्थान के द्वारा लखनऊ के अतिरिक्त प्रदेश के अन्य मण्डलों में भी कथक नृत्य के प्रति अभिरूचि जागृत करने के उद्देश्य से प्रादेशिक कथक आयोजन किए गये। लखनऊ के अतिरिक्त छोटे एवं दूरस्थ स्थानों जैसे झाँसी, उन्नाव, बाराबंकी, अयोध्या, प्रयागराज, मथुरा, सीतापुर, पीलीभीत, बलिया, रायबरेली इत्यादि स्थानों मे भी कथक नृत्य सम्बन्धी आयोजन सम्पादित किये गये और जनजागरण को प्रदेश की संस्कृति एवं भारतीय संगीत से अवगत कराने का प्रयास किया गया। जिसमें लगभग 250 कलाकारों ने महत्वपूर्ण भागीदारी दी।

कथक नृत्यनाटिकाओं का निर्माण

विगत 30 माह में राष्ट्रीय कथक संस्थान द्वारा कथक के मूलस्वरूप को बरकरार रखते हुए मानवता का सुन्दर संदेश देने वाली हृदयस्पर्शी, मार्मिक एवं रोचक नृत्य प्रस्तुतियों का निर्माण किया गया। इस प्रयास से जनजागरण में न केवल भारतीय संस्कृति एवं संगीत का संरक्षण एवं संवर्द्धन किया गया बल्कि उन्हे विश्वशान्ति, बन्धुत्व, महिला सशक्तिकरण, पर्यावरण, जल जीवन का संरक्षण जैसे अति महत्वपूर्ण विषयों, समस्याओं एवं समस्याओं के निराकरण से अवगत कराया गया ताकि संगीत के साथ हम वर्तमान समय की प्रासंगिक विषयों को भी समझ सकें और जागरूक होकर जनहित मे कार्य कर सकें।

नवनिर्मित 20 प्रस्तुतियों के नाम – शिवोहम्, रूप तेरे बहुतेरे कान्हा, घुंघरू, संगीत रसधारा, नाचत सूदंग, नृत्य सौन्दर्य, सुर के घुंघरू, मदन दहन, अर्धनारेश्वर, होरी मनजोरी, रेशमी एहसास–मन कुन्तो मौला अली (सुफी), नृत्य फुहार, धुपद–धा किट धा, त्रिवट त्रिधारा, कथक यात्रा–मंगलाचरण से आधुनिकीकरण, हनुमान चालीसा, प्रतिबिम्ब–प्रकृति एवं नृत्य का सामंजस्य, नूपुर निनाद, नवपल्लव, उल्लास।

राष्ट्रीय कथक समारोह 'विरासत'

किसी विशिष्ट विषय को आधार बनाते हुए प्रतिवर्ष एक नवीन अवधारणा पर आधारित मौलिक प्रयास।

कथक मानवता का सुन्दर सन्देश पहुंचाने वाली नृत्य विधा है। नृत्य के माध्यम से समाज में जागरुकता लाने की दृष्टि से कथक संस्थान ने एक मौलिक प्रयास किया, जिसके अन्तर्गत एक नई विचारधारा, अवधारणा एवं नई सोच के साथ राष्ट्रीय कथक समारोह–"विरासत" सम्पन्न कराया गया और इसे प्रदेशवासियों के समक्ष आयोजित किया गया। इस आयोजन की अवधारणा वर्ष 2017–18 में मुख्य विषय के रूप में ''सार्वभौमिक कथक'' तथा वर्ष 2018–19 में "स्त्रीत्व–एक वरदान" विषय को समर्पित रहा। जिसमें प्रदेश के विख्यात कलाकारों के साथ अन्य प्रदेशों के विभिन्न जिलों जैसे दिल्ली, मुम्बई, पुणे के अत्यन्त वरिष्ठ कलाकारों एवं नवीन प्रतिभाओं (लगभग 150 कलाकार) ने भागीदारी की।

'रुनझुन' (प्रशिक्षण प्राप्त कर रहें लगभग 550 छात्र-छात्राओं की प्रस्तुति)

राष्ट्रीय कथक संस्थान द्वारा विगत 30 माह में कथक प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे छात्र–छात्राओं को मंच के प्रति आत्मविश्वास जागृत करने तथा उन्हें प्रस्तुतिकरण के प्रति जागरुक बनाने के उद्देश्य से 'रूनझुन' कार्यक्रम कराया गया।

पं. बिन्दादीन महाराज स्मृति उत्सव 'रसरंग'

पं0 बिन्दादीन महाराज कथक नृत्य के प्रणेता के रूप में जाने जाते हैं और कथक जगत में उनका योगदान एवं समर्पण सर्वविदित है। कथक हमारे देश की शास्त्रीयता का परिचायक होने के साथ–साथ हमारे गुरूओं की अमूल्य विरासत भी है। राष्ट्रीय कथक संस्थान ने गुरूओं की इस अमूल्य विरासत के महत्व को और गुरूओं के योगदान को अविस्मरणीय बनाने की दृष्टि से पं0 बिन्दादीन महाराज स्मृति उत्सव "रसरंग" आयोजन वर्ष 2017–18 एवं 2018–19 में राष्ट्रीय कथक उत्सव के रूप मनाया गया।

संगीत संगम (कथक की पूरक विधाओं का शिक्षण प्राप्त कर रहे 400 शिक्षार्थियों की प्रस्तुति)

राष्ट्रीय कथक संस्थान में कथक के अतिरिक्त कथक की अनुपूरक विधाओं जैसे तबला, गायन जिनके बिना नृत्य की कल्पना भी नही की जा सकती का भी प्रशिक्षण एवं शिक्षण कार्य किया जाता है। वर्ष 2017–18 एवं 2018–19 में कथक की अनुपूरक विधाओं में लगभग 400 छात्र–छात्राओं ने प्रवेश लिया और इन संगीत विधाओं में शिक्षा ग्रहण की। "संगीत संगम" – कथक की पूरक विधाओं का शिक्षण प्राप्त कर रहे छात्र/छात्राओं को भी प्रोत्साहित करने एवं उन्हे मंच के प्रति आत्मविश्वास जागृत करने के उद्देश्य से वर्ष 2017–18 एवं 2018–19 में 'संगीत संगम' कार्यक्रम आयोजित किया गया।

अन्तर्राज्यीय कथक संवर्धन 'परस्पर'

इसके माध्यम से उत्तर भारत की शास्त्रीय नृत्य शैली कथक को व्यापकता, भव्यता, जागरूकता एवं जनसाधारण के मध्य लोकप्रिय बनाने के उद्देश्य से एवं राष्ट्रीय स्तर पर प्रचार–प्रसार करने हेतु अन्य राज्यों से 'परस्पर' सामंजस्य स्थापित कर राजस्थान प्रदेश में कथक समारोह किया गया।

वृन्दावन शोध संस्थान, वृन्दावन

वर्ष 1968 में डॉ.रामदास गुप्त द्वारा संस्थापित वृन्दावन शोध संस्थान ब्रज संस्कृति के संरक्षण, संवर्द्धन एवं ज्ञान संप्रेषण हेतु समर्पित संस्थान है।

शैक्षिक सेमिनार, प्रदर्शनी, व्याख्यान तथा सांस्कृतिक कार्यक्रम

आलोच्य अवधि में साहित्यिक सेमीनार, दुर्लभ ग्रंथों तथा पेंटिंग्स आदि पर विभिन्न विषयों तथा अवसरों पर आधारित प्रदर्शनी, व्याख्यान, कार्यशालायें एवं ब्रज लोक नृत्य संगीत आदि से संबंधित 31 कार्यक्रमों के आयोजन सम्पन्न किये गये, जिनका विवरण निम्नवत है –

- 20 अप्रैल 2017 को सूरदास जयंती पर विद्वत गोष्ठी का आयोजन किया गया।
- 24 अप्रैल से 30 अप्रैल 2017 तक स्वच्छता पखवाड़ा मनाया गया।
- 7 मई, 2017 को रवीन्द्रनाथ टैगोर जयंती के उपलक्ष्य में गोष्ठी का आयोजन किया गया।
- 18 मई 2017 को विश्व संग्रहालय दिवस के अवसर पर श्री लक्ष्मीनारायण तिवारी, वृन्दावन द्वारा संग्रहालय की अवधारणा ब्रज के सन्दर्भों में विषयक व्याख्यान प्रस्तुत किया गया।
- 21 जून 2017 को विश्व योग दिवस के अवसर पर योगाभ्यास कार्यक्रम एवं योग प्रदर्शनी का आयोजन किया गया।
- 19 जुलाई 2017 को दैनिक जागरण के सहयोग से हरित वृन्दावन विषय पर सेमिनार आयोजित की गई।
- 25 जुलाई 2017 को ब्रजभाषा गद्य की दशा और दिशा विषय पर श्री हरिमोहन मालवीय द्वारा व्याख्यान दिया गया।
- 28 जुलाई 2017 को 'ब्रज लोकगीत प्रस्तुति' प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें 20 छात्र–छात्राओं ने भाग लिया।
- 20 अगस्त 2017 को हेमचन्द्र विक्रमादित्य विषय पर डॉ. एस.पी. बंसल, कुलपति इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय, हरियाणा द्वारा व्याख्यान दिया गया।
- 19 सितम्बर 2017 को 'वर्तमान शिक्षा पद्धति और हिन्दी का अस्तित्व' पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें 5 स्कूलों से 24 छात्र– छात्राओं ने भाग लिया।
- 27 सितम्बर 2017 को वैश्विक परिप्रेक्ष्य में गीता विषय पर आचार्य श्रीवत्स गोस्वामी द्वारा व्याख्यान दिया गया।
- 23 से 25 नवम्बर 2017 को संस्थान के स्वर्ण जयंती वर्ष उद्घाटन पद्मश्री रामस्वरूप शर्मा तथा सांसद मथुरा–वृन्दावन श्रीमती हेमा मालिनी द्वारा सम्पन्न किया गया। इस अवसर पर दिनांक 23 नवम्बर को ब्रज लोक कला सांझी प्रदर्शनी, सांझी कला पर आचार्य श्रीवत्स गोस्वामी का व्याख्यान, उत्तर मध्य सांस्कृतिक केन्द्र, इलाहाबाद द्वारा लोक नृत्य तथा संगीत नाटक अकादमी उ.प्र. द्वारा कथक नृत्य कार्यक्रम सम्पन्न किये गये।
- 24 नवम्बर को संस्थान के संस्थापक डॉ. रामदास गुप्त का स्मृति व्याख्यान श्री रमेशचन्द्र त्रिपाठी, पूर्व महासचिव राज्यसभा द्वारा प्रस्तुत किया गया। ब्रज संस्कृति विश्वकोश प्रथम खंड तथा ब्रज की अकबरकालीन पुस्तक ठौर ग्रंथों का विमोचन कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। इसके अतिरिक्त कान्हा अकादमी, वृन्दावन द्वारा ब्रज लोक नृत्य तथा उत्तर मध्य सांस्कृतिक केन्द्र द्वारा लोक नृत्य की प्रस्तुति दी गई।
- 25 नवम्बर 2017 को स्थानीय विद्यालयों की चित्रकला प्रतियोगिता सम्पन्न की गई जिसमें 50 छात्र–छात्राओं के द्वारा ब्रज संस्कृति के विविध पक्षों का चित्रांकन किया गया।
- 22 से 30 नवम्बर 2017 तक संस्थान द्वारा अन्तर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव के अंतर्गत कुरूक्षेत्र में गीता प्रदर्शनी लगाई गई। प्रदर्शनी का अवलोकन मा. राज्यपाल हरियाणा श्री कप्तान सिंह सोलंकी द्वारा किया गया।
- 23–24 फरवरी 2018 को रंगोत्सव कार्यक्रम, बरसाना के अंतर्गत उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री माननीय योगी आदित्यनाथ, हरियाणा के मुख्यमंत्री माननीय मनोहर लाल खट्टर तथा पर्यटन राज्य मंत्री प्रो. रीता बहुगुणा जोशी ने राधाकृष्ण स्वरूप सज्जा एवं जल साँझी प्रतियोगिता का अवलोकन किया। विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कार से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में 12 विद्यालयों में से 72 छात्र–छात्राओं ने सहभागिता की।
- 30 मार्च 2018 को गीता का रोमांच विषय पर आचार्य श्रीवत्स गोस्वामी ने व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री लक्ष्मीनारायण चौधरी, संस्कृति मंत्री (उ.प्र.) एवं जिलाधिकारी सर्वज्ञराम मिश्र।
- 29 अप्रैल 2018 को दैनिक जागरण के संयुक्त तत्त्वावधान में आयोजित जल संरक्षण के कार्यक्रम का उद्घाटन श्रीकान्त शर्मा माननीय कैबिनेट मंत्री, ऊर्जा उ.प्र. शासन द्वारा किया गया। इस अवसर पर एक संगोष्ठी भी आयोजित की गई।

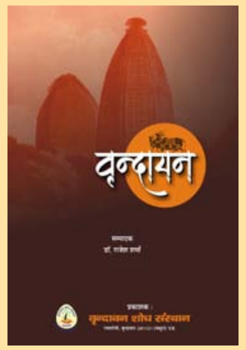

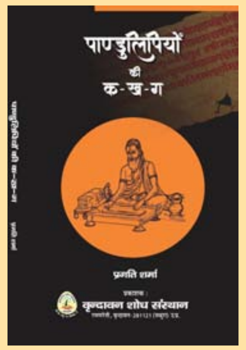

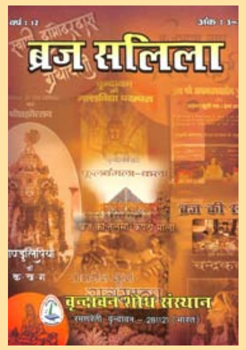

डॉक्यूमेंट्री निर्माण

ब्रज का 'बसन्तोत्सव'

श्रीमद्भगवद्गीता पर आधारित 'गीता ज्ञान निधि' विषयक 2 डाक्यूमेन्ट्री

ब्रज का होलिकोत्सव

शोध एवं प्रकाशन

संस्थान द्वारा अब तक 56 शोधपरक, साहित्यिक ग्रंथों का प्रकाशन किया जा चुका है। वर्तमान में संस्थान में संगृहीत दुर्लभ पाडुलिपि नकुल कृत 'शालिहोत्र' (अश्व चिकित्सा) का सम्पादन कार्य प्रगति पर है।

- 18 मई से 27 मई 2018 को संस्थान के नवीन प्रकोष्ठ गीता शोध संस्थान के अंतर्गत 10 दिवसीय गीता ज्ञान निधि प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। प्रदर्शनी का शुभारम्भ स्वामी गोविन्दानन्द तीर्थ एवं डॉ. शैलेन्द्रनाथ पाण्डेय द्वारा किया गया।
- 15 मई 2018 से 15 जून 2018 तक कत्थक नृत्य कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसके अंतर्गत लखनऊ की प्रसिद्ध कत्थक नृत्यांगना मानसी प्रिया द्वारा विद्यार्थियों को प्रशिक्षण प्रदान किया गया।
- 26 सितम्बर 2018 को 'पुराणों में अवतार विमर्श' विषयक संगोष्ठी आयोजित की गई। श्री जगन्नाथ विश्वविद्यालय, उड़ीसा के पूर्व उप कुलपति, श्री गंगाधर पण्डा द्वारा व्याख्यान दिया गया। आचार्य श्रीवत्स गोस्वामी की अध्यक्षता में कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।
- 30 सितम्बर 2018 को भारत उत्थान न्यास, कानपुर के संयुक्त तत्त्वावधान में 'कला एवं संस्कृति' विषयक संगोष्ठी आयोजित की गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री लक्ष्मीनारायण चौधरी, संस्कृति मंत्री, उ.प्र., श्री सत्यदेव पचौरी, मंत्री, खादी ग्रामोद्योग उ.प्र.। इस अवसर पर जीएलए विश्वविद्यालय, मथुरा के कुलपति श्री दुर्ग सिंह भी उपस्थित थे।
- 01 से 05 अक्टूबर 2018 को पांडुलिपि संरक्षण कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला में इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केन्द्र, नई दिल्ली के साथ ही आगरा, दिल्ली एवं अलीगढ़ विश्वविद्यालय के 25 प्रतिभागियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया।
- संस्थान का 51वां स्थापना दिवस एवं स्वर्ण जयन्ती समारोह दिनांक 24–25 नवम्बर 2018 को आयोजित किया गया। 24 नवम्बर 2018 को स्मृति व्याख्यान के अंतर्गत कृष्ण एवं ब्रज संस्कृति का वैश्विक आकर्षण विषय पर बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय की प्रो. विद्योत्तमा मिश्रा ने व्याख्यान प्रस्तुत किया। इस अवसर पर राष्ट्रीय पाण्डुलिपि मिशन के निदेशक डॉ. प्रतापानन्द झा ने अध्यक्षता की। कान्हा अकादमी वृन्दावन के कलाकारों द्वारा ब्रज लोक गायन नृत्य प्रस्तुत किया गया। मुख्य अतिथि थे श्री लक्ष्मीनारायण चौधरी, मा. संस्कृति मंत्री, उत्तरप्रदेश।
- 25 नवम्बर 2018 को उत्तर मध्य सांस्कृतिक केन्द्र, प्रयागराज के कलाकारों द्वारा बुन्देलखण्डी लोकनृत्य प्रस्तुत किया गया। मुख्य अतिथि थे उ.प्र. ब्रजतीर्थ विकास परिषद् के उपाध्यक्ष श्री शैलजाकान्त मिश्र। इस अवसर पर विभिन्न विद्यालयों के छात्र–छात्राओं द्वारा ब्रज लोक कला साँझी एवं रंगोली का प्रस्तुतीकरण किया गया तथा विद्यार्थियों को मुख्य अतिथि के द्वारा पुरस्कार वितरण किया गये।
- 20 से 24 जनवरी 2019 को क्षेत्रीय अभिलेखागार के संयुक्त तत्त्वावधान में संरक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में 7 संस्थानों के प्रतिभागियों ने पाण्डुलिपियों की प्रिवेंटिव एवं क्यूरेटिव तकनीकों का प्रशिक्षण प्राप्त किया। प्रतिभागियों को डिजिटाइजेशन के साथ ही डाटा अपलोडिंग का भी प्रशिक्षण प्रदान किया गया।
- राजा बलवन्त सिंह कॉलेज आगरा के जैव प्रौद्यागिकी एवं बीज तकनीकी विभाग द्वारा दिनांक 28 से 30 जनवरी 2019 तक Hands-on Training in Bio Techniques and Instrumentation विषय पर आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला में 'पांडुलिपि संरक्षण की नवीन जैविक तकनीक' विषय पर संस्थान के संरक्षविद् श्री रवीन्द्र गोस्वामी द्वारा व्याख्यान दिया गया।
- 28 फरवरी 2019 को 'ब्रज कला और संस्कृति' विषयक कार्यशाला एवं संगोष्ठी आयोजित की गई। संगोष्ठी की अध्यक्षता ब्रज संस्कृति के प्रख्यात विद्वान डॉ. अच्युतलाल भट्ट द्वारा की गई। संगोष्ठी में अनेक विद्वानों के द्वारा प्रतिभागिता की गई।
- 10 से 19 फरवरी 2019 तक 'बसन्तोत्सव' पर आधारित प्रदर्शनी आयोजित की गई। जिसमें विषय से संबंधित प्रामाणिक ग्रंथ, पेंटिंग्स प्रदर्शित की गई। इस अवसर पर 12 फरवरी 2019 को एक संगोष्ठी भी आयोजित की गई जिसमें भाषा संस्थान उत्तरप्रदेश के अध्यक्ष डॉ. राजनारायण शुक्ला मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुए। अनेक विख्यात विद्वानों ने इस अवसर पर सहभागिता कर अपने विचार व्यक्त किए।
- संस्कृति विभाग उ.प्र. के द्वारा ब्रज की होली के अवसर दिनांक 14–15 मार्च 2019 को रंगोत्सव–2019 का आयोजन किया गया। वृन्दावन शोध संस्थान के द्वारा इन कार्यक्रमों में राधाकृष्ण रूपसज्जा, जल सांझी, मंदिर झांकी एवं गोबर बिटौरा आदि प्रतियोगिता आयोजित की गई। कलाकारों और विजेताओं को पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र वितरण किए गए।
- प्रधानमंत्री कार्यालय की अनुशंसा पर श्रीमद्भागवत और भगवत गीता विषयक दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन दिनांक 28–29 मार्च 2019 को किया गया। श्री शारदा इंस्टीट्यूट ऑफ रिसर्च एण्ड मेनेजमेण्ट नई दिल्ली के 11 शोधार्थियों को विषय पर आधारित सदीप्त प्रस्तुति के माध्यम से प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

उ.प्र. जैन विद्या शोध संस्थान, लखनऊ

वित्तीय वर्ष 2017-18 की गतिविधियाँ

- 16 जुलाई, 2017 – वीर शासन जयन्ती के उपलक्ष्य में संगोष्ठी।
- 17 सितम्बर, 2017 – विश्व मैत्री दिवस।
- 31 जनवरी, 2018 – संस्थान के स्थापना दिवस समारोह, निबन्ध, पेंटिंग, भाषण, वृक्षारोपण, जैन मेला का आयोजन।
- 09–10 मार्च, 2018 – तीर्थकर ऋषभदेव जयन्ती के अवसर पर प्रा0 भारतीय इतिहास एवं पुरातत्व विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में भारतीय संस्कृति में जैन धर्म का योगदान विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन।
- 25 मार्च, 2018 – तीर्थकर महावीर जन्मकल्याणक महोत्सव–2018 का आयोजन बौद्ध बिहार शान्ति उपवन, आलमबाग, लखनऊ में किया गया।

वित्तीय वर्ष 2018-19 की गतिविधियाँ

- 14 अप्रैल, 2018 – बाबा साहेब भीम राव अम्बेडकर जयन्ती के अवसर पर भाषण एवं पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन।
- 29 जुलाई, 2018 – वीर शासन जयन्ती के उपलक्ष्य में अन्तर्राष्ट्रीय बौद्ध शोध संस्थान के प्रेक्षागृह में संगोष्ठी का आयोजन।
- 08 सितम्बर, 2018 – भगवान महावीर के जीवन दर्शन पर आधारित पेन्टिंग, निबन्ध एवं भाषण प्रतियोगिता का आयोजन पावानगर, महावीर इंटर कालेज, फाजिल नगर, कुशीनगर में आयोजन।
- 30 सितम्बर, 2018 – विश्वमैत्री पर्व (क्षमावाणी पर्व) का आयोजन अन्तर्राष्ट्रीय बौद्ध शोध संस्थान, लखनऊ के प्रेक्षागृह में आयोजित किया गया।
- 25 दिसम्बर, 2018 – भारत रत्न श्री अटल बिहारी बाजपेयी जी की जयन्ती के अवसर पर भाषण एवं पेन्टिंग प्रतियोगिता का आयोजन वर्द्धमान इण्टर कालेज, इन्दिरा नगर, लखनऊ में किया गया।
- 31 जनवरी, 2019 – संस्थान के स्थापना दिवस के अवसर पर "अहिंसा की उपादेयता" विषय पर पेन्टिंग, भाषण प्रतियोगिता एवं संगोष्ठी का आयोजन अन्तर्राष्ट्रीय बौद्ध शोध संस्थान के प्रेक्षागृह में आयोजित किया गया।
- 23–24 फरवरी, 2019 हिन्दी तथा आधुनिक भारतीय भाषा विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ में हिन्दी जैन साहित्य परम्परा और सरोकार विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन।
- 2–3 मार्च, 2019 – जैन धर्म संस्कृति विषय पर श्री दिगम्बर जैन मन्दिर, चौरासी मथुरा में दो दिवसीय गोष्ठी एवं प्रतियोगिता का आयोजन।
- 29 मार्च, 2019 – तीर्थकर ऋषभदेव जयन्ती के उपलक्ष्य में "तीर्थकर ऋषभदेव और उनका आर्यावर्त" विषय पर डॉ0 शकुन्तला मिश्रा राष्ट्रीय पुर्नवास विश्वविद्यालय, लखनऊ में व्याख्यान माला का आयोजन।

वित्तीय वर्ष 2019-20 की गतिविधियाँ

- 14 अप्रैल, 2019 – बाबा साहेब डॉ0 भीमराव अम्बेडकर जयन्ती के अवसर पर आयडियल इंटर कालेज, लौलई (चिनहट), लखनऊ में भाषण एवं पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन।
- 17 अप्रैल, 2019 – भगवान महावीर जयन्ती के अवसर पर भगवान महावीर पर आधारित सांस्कृतिक कार्यक्रम, भाषण एवं पेन्टिंग प्रतियोगिता वर्द्धमान इंटर कालेज, तकरोही, लखनऊ में आयोजित किया गया।
- 21–22 जुलाई, 2019 – वीर शासन जयन्ती के अवसर पर "वर्तमान परिप्रेक्ष्य में अहिंसा एवं सत्य की उपादेयता" विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी, भजन, भाषण एवं निबन्ध प्रतियोगिता का आयोजन मंगलायतन, सासनी, हाथरस, अलीगढ़ में संपन्न हुआ।

उ.प्र. संग्रहालय निदेशालय

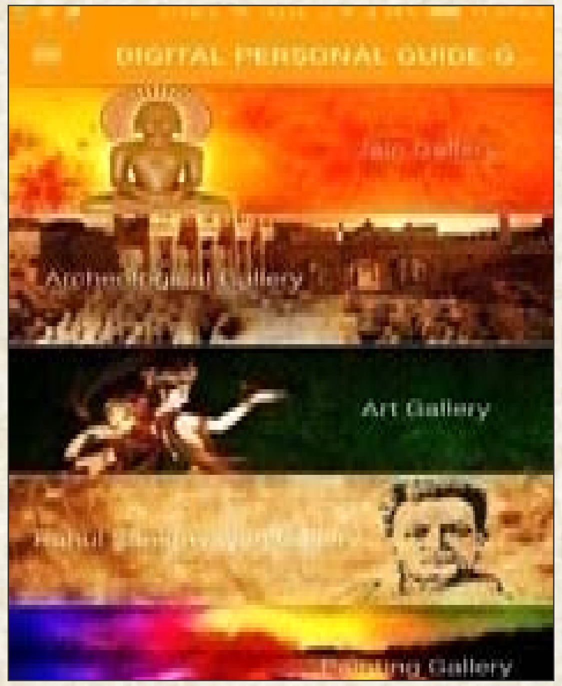

आरम्भ में उ0 प्र0 के समस्त संग्रहालय संस्कृति निदेशालय, उ0 प्र0 द्वारा संचालित थे। प्रदेश के संग्रहालयों के विकास एवं संवर्द्धन, स्वतंत्र नियंत्रण, प्रभावी पर्यवेक्षण, नये संग्रहालयों की स्थापना, भवनों का निर्माण, आधुनिकीकरण/सुदृढ़ीकरण, प्रदर्शन आदि हेतु 31 अगस्त, 2002 को उ0 प्र0 संग्रहालय निदेशालय के रूप में स्वतंत्र निदेशालय की स्थापना की गई। उक्त के अन्तर्गत वर्तमान में कुल 15 संग्रहालय संचालित हैं एवं 04 संग्रहालय निर्माणाधीन हैं। इनमें से राज्य संग्रहालय, लखनऊ प्राचीनतम् एवं विशालतम बहुउद्देशीय संग्रहालय है। इसके अतिरिक्त अन्तर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त राजकीय संग्रहालय, मथुरा, राजकीय बौद्ध संग्रहालय, गोरखपुर, राजकीय संग्रहालय, झांसी तथा अन्तर्राष्ट्रीय रामकथा संग्रहालय एवं आर्ट गैलरी, अयोध्या क्षेत्रीय संग्रहालयों के रूप में स्थापित हैं। इन संग्रहालयों द्वारा कलाकृतियों एवं पुरावशेषों के संकलन, संरक्षण, प्रदर्शन, शोध एवं प्रकाशन के माध्यम से भारतीय संस्कृति के विभिन्न पहलुओं से पर्यटकों को परिचित कराया जाता है। कला के प्रति सामान्य

जनमानस में अभिरूचि उत्पन्न करने हेतु प्रदर्शनी, संगोष्ठी, कार्यशाला, व्याख्यान, कला अभिरूचि पाठ्यक्रम तथा विभिन्न प्रकार की शैक्षिक प्रतियोगिताएं समय–समय पर आयोजित की जाती हैं।

वर्तमान सरकार की सांस्कृतिक सम्पदा के संरक्षण की प्रतिबद्धता के दृष्टिगत उ0प्र0 संग्रहालय निदेशालय के नियन्त्रणाधीन संग्रहालयों के उत्थान, उन्नयन, विकास एवं संवर्धन हेतु विभिन्न परियोजनाएं लागू की गयी हैं। जिनके माध्यम से सांस्कृतिक धरोहरों के संरक्षण, परिरक्षण, सुरक्षा, शोध तथा ज्ञान के प्रचार–प्रसार इत्यादि को निरन्तर प्रोत्साहन मिल रहा है। सतत विकास की ओर अग्रसर वर्तमान सरकार द्वारा अक्षय ऊर्जा के प्रोत्साहन, जनसुविधाओं का उच्चीकरण, आई0 ओ0 टी0 आधारित तकनीकि का प्रयोग, संग्रहालयों का आधुनिकीकरण, जल संरक्षण, वन संवर्धन इत्यादि की ओर विशेष ध्यान केन्द्रित करते हुए विभिन्न परियोजनाए उ0प्र0 संग्रहालय निदेशालय में विगत 30 माह में लागू की गयी हैं। जिनका विवरण वर्षवार निम्नवत् है :–

परियोजना का विवरण

- **अन्तर्राष्ट्रीय रामकथा संग्रहालय एवं आर्ट गैलरी, अयोध्या में 08 वीथिकाओं को वातानुकूलित किया जाना (रुपया 84.20 लाख)।**

  अयोध्या के ऐतिहासिक एवं धार्मिक महत्व को विशेष रूप से दृष्टिगत रखते हुये भगवान राम, रामकथा, रामलीला एवं रामायण पर आधारित कलाकृतियों को संग्रहीत किए जाने के उद्देश्य से संग्रहालय के उच्चीकरण हेतु वित्तीय वर्ष 2017–18 में वर्तमान सरकार द्वारा इस परियोजना को लागू किया गया। संग्रहालय के आधुनिकीकरण होने से पर्यटकों की संख्या पर अनुकूल प्रभाव पड़ा है।

- **राजकीय संग्रहालय, मथुरा (रूपया 53.60 लाख) व राजकीय बौद्ध संग्रहालय, गोरखपुर के उपयोगार्थ डिजिटल पर्सनल गाइड का निर्माण (रूपया 33.07 लाख)।**

  वर्तमान सरकार द्वारा आधुनिक तकनीक के प्रोत्साहन करने के उद्देश्य व IoT के माध्यम से समृद्ध सांस्कृतिक धरोहरों की जानकारी आम जनमानस को उपलब्ध कराने हेतु वित्तीय वर्ष 2017–18 में राजकीय संग्रहालय, मथुरा व राजकीय बौद्ध संग्रहालय, गोरखपुर में संग्रहीत बौद्ध, जैन एवं सनातन धर्म से सम्बन्धित विभिन्न काल की कलाकृतियों का डिजिटाइजेशन कराया गया। राज्य के संग्रहालयों द्वारा इस तकनीक का प्रयोग पर्यटकों को कलाकृतियों के विषय में अधिक से अधिक एवं सुगमता से जानकारी उपलब्ध कराये जाने के उद्देश्य से किया जा रहा है।

  संग्रहालयों के उच्चीकरण/सुदृढ़ीकरण के अन्तर्गत राजकीय बौद्ध संग्रहालय, गोरखपुर के परिसर की लैण्ड स्केपिंग एवं पार्क के विकास व समुचित प्रकाश व्यवस्था के कार्य (रूपया 311.00 लाख), राजकीय बौद्ध संग्रहालय, पिपरहवा, सिद्धार्थ नगर के भवन से मुख्य सम्पर्क मार्ग तक सी0 सी0 रोड, समरसेबिल पम्प, बोरिंग, छत पर दो टंकी फिटिंग (रूपया 17.26 लाख) तथा राजकीय बौद्ध संग्रहालय, कुशीनगर के परिसर की बाउण्ड्रीवाल का पुनर्निर्माण आदि कार्य (रूपया 84.65 लाख)।

  संग्रहालयों के विकास एवं उन्नयन के प्रति प्रतिबद्ध राज्य सरकार द्वारा अधिक से अधिक संख्या में पर्यटकों को संग्रहालय भ्रमण हेतु प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से संग्रहालय भवन व परिसर पर विशेष ध्यान केन्द्रित करते हुए वित्तीय वर्ष 2017–18 में जनसुविधाओं का उच्चीकरण, सौन्दर्यीकरण, सुरक्षा व्यवस्था सी0सी0 रोड, शुद्ध पेयजल, प्रकाश व्यवस्था आदि का उच्चस्तरीय कार्य कराया जा रहा है।

- **मा0 मुख्यमंत्री जी की घोषणा के अनुक्रम में इमिलिया कोडर, जनपद बलरामपुर या उसके आस–पास थारू जनजाति से सम्बन्धित संस्कृति को संरक्षित रखने हेतु एक संग्रहालय का निर्माण (रूपया 1737.30 लाख)।**

मा0 मुख्यमंत्री की प्रेरणा से वित्तीय वर्ष 2018–19 में उ0प्र0 की विशालतम जनजाति थारू की संस्कृति को संरक्षित एवं परिरक्षित करने के उद्देश्य से प्रदेश का प्रथम जनजाति पर आधारित संग्रहालय इमिलिया कोडर, बलरामपुर में स्थापित किया जा रहा है। संग्रहालय के माध्यम से थारू जनजाति की संस्कृति को आम जनमानस के समक्ष प्रस्तुत करने का प्रयास किया गया है। इस जनजाति की अनोखी संस्कृति को आधुनिकता की चकाचौंध में नयी पीढ़ी अपनी संस्कृति को भूले नहीं, को दृष्टिगत रखते हुए इस संग्रहालय की स्थापना की गयी है।

- **राजकीय संग्रहालय, मथुरा में 100 किलोवाट क्षमता का आफ ग्रिड सोलर पावर प्लाण्ट के प्रतिस्थापना का कार्य (रूपया 99.00 लाख) एवं राजकीय बौद्ध संग्रहालय, गोरखपुर में 40 किलोवाट क्षमता का ग्रिड कनेक्टेड रूफटाप पावर प्लाण्ट की प्रतिस्थापना (रूपया 18.77 लाख)।**

सतत विकास की ओर अग्रसर राज्य सरकार द्वारा अक्षय ऊर्जा के प्रोत्साहन हेतु एस0 डी0 जी0 लक्ष्य के अन्तर्गत वर्तमान सरकार द्वारा भविष्य में ऊर्जा की सक्षमता को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से वित्तीय वर्ष 2018–19 में उ0प्र0 संग्रहालय निदेशालय के नियंत्रणाधीन संग्रहालयों में अक्षय उर्जा की प्रतिस्थापना पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। इसके अन्तर्गत संग्रहालयों में सोलर पावर प्लान्ट की स्थापना का कार्य कराया जा रहा है।

- **राज्य संग्रहालय, लखनऊ में सुरक्षा के दृष्टिगत संग्रहालय में लगे पुराने सी.सी.टी.वी. कैमरे के स्थान पर नए एच.डी. व नाइट विजन कैमरे आवश्यक एसेसरीज सहित (रूपया 59.91 लाख) तथा संग्रहालय के एक्सेशन रजिस्टर का आटोमेशन कार्य (रूपया 58.41 लाख)।**

वर्तमान सरकार द्वारा सांस्कृतिक धरोहरों को पूर्णरूप से सुरक्षित करने एवं संग्रहालयों में संग्रहीत कलाकृतियों/कलावस्तुओं का प्राकृतिक आपदा से बचाव करने हेतु कलाकृतियों को डिजिटल रूप में परिवर्तित कर क्लाउड पर सुरक्षित रखने के उद्देश्य से वित्तीय वर्ष 2018–19 में डिजिटाइजेशन का कार्य एवं सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से आधुनिक कैमरों की प्रतिस्थापना का कार्य किया जा रहा है।

- **गुमनामी बाबा की सामग्रियों को अन्तर्राष्ट्रीय रामकथा संग्रहालय एवं आर्ट गैलरी भवन, अयोध्या में प्रदर्शित किये जाने हेतु अवशेष कार्यों को पूर्ण किया जाना (रूपया 29.57 लाख)।**

वर्तमान सरकार द्वारा गुमनामी बाबा के जीवन से जुड़ी सामग्रियों को जनमानस हेतु प्रदर्शित करने के लिए अन्तर्राष्ट्रीय रामकथा संग्रहालय एवं आर्ट गैलरी भवन, अयोध्या को वित्तीय वर्ष 2018–19 में बजट आवंटन कर अवशेष कार्यों को पूर्ण कराया गया।

- **राज्य संग्रहालय भवन, लखनऊ में अत्याधुनिक तकनीक के अग्निशमन संयन्त्र की स्थापना (रूपया 394.75 लाख)।**

सांस्कृतिक सम्पदा की सुरक्षा के लिए तत्पर वर्तमान सरकार द्वारा आकस्मिक घटनाओं व प्राकृतिक आपदाओं से संग्रहालय भवन व संग्रह को सुरक्षित रखने के उद्देश्य से आपातकालीन प्रबन्धन के उपाय के अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2019–20 में अत्याधुनिक तकनीक के अग्निशमन संयन्त्र की स्थापना का कार्य किया जा रहा है।

- **प्राकृतिक विज्ञान संग्रहालय, लखनऊ का निर्माण (रूपया 2500.00 लाख)।**

वर्तमान सरकार द्वारा प्राकृतिक विज्ञान विषय पर प्राकृतिक सम्पदा के संरक्षण, शोध एवं उनसे सम्बन्धित जानकारी के प्रचार–प्रसार के लिए अग्रसर वित्तीय वर्ष 2019–20 में राज्य के प्रथम प्राकृतिक विज्ञान संग्रहालय की स्थापना की जा रही है।

वित्तीय वर्ष 2019–20 में संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार के योजनान्तर्गत मा0 उच्च न्यायालय, इलाहाबाद में संग्रहालय निर्माण हेतु राज्य सरकार द्वारा राज्यांश रू0 5,24,400.00 उपलब्ध कराया गया।

वित्तीय वर्ष 2019-20 हेतु प्रस्तावित परियोजना

- **मा0 मुख्यमंत्री जी की घोषणा के समादर में जनपद कौशाम्बी के पुरातात्विक एवं ऐतिहासिक महत्व को दृष्टिगत रखते हुए इसे मुख्य पर्यटन केन्द्र के रूप में विकसित करने के उद्देश्य से संग्रहालय का निर्माण।**

जनपद कौशाम्बी के पुरातात्विक एवं ऐतिहासिक महत्व के दृष्टिगत जनपद में प्रथम संग्रहालय की स्थापना की जा रही है। इसके माध्यम से कौशाम्बी एवं आस–पास की पुरासामग्रियों/कलाकृतियों को संरक्षित कर ज्ञान व प्रचार–प्रसार हेतु आम जनमानस के अवलोकनार्थ प्रदर्शित किया जायेगा। जिला प्रशासन द्वारा उक्त संग्रहालय के निर्माण हेतु भूमि का चिन्हांकन किया जा चुका है। बजट आवंटन हेतु अनुपूरक मांग के माध्यम से धनराशि के प्रविधान हेतु प्रस्ताव प्रेषित।

- **राजकीय स्वतंत्रता संग्राम संग्रहालय, मेरठ में आर्काइवल डाक्यूमेन्ट पर आधारित 1857–भारत की स्वतंत्रता के प्रथम संग्राम सम्बन्धी स्थाई प्रदर्शनी की स्थपना।**

भारत के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम–1857 की ऐतिहासिक महत्व पर राज्य सरकार द्वारा विशेष ध्यान केन्द्रित करते हुए राजकीय स्वतंत्रता संग्राम संग्रहालय, मेरठ में एक विशेष स्थाई वीथिका के गठन का प्रस्ताव है, जिसके माध्यम से आम जनमानस को स्वतंत्रता संग्राम से सम्बन्धित सम्पूर्ण जानकारी उपलब्ध करायी जा सकेगी।

विगत 30 माह में सांस्कृतिक धरोहरों को संरक्षित/ परिरक्षित कर उनके प्रदर्शन एवं प्रचार-प्रसार हेतु आयोजित कार्यक्रम

कार्यक्रमों का विवरण

- प्रयागराज कुम्भ के इतिहास में पहली बार ''भव्य कुम्भ दिव्य कुम्भ'' के अन्तर्गत वर्तमान सरकार की प्रेरणा से उ0प्र0 संग्रहालय निदेशालय द्वारा प्रयागराज कुम्भ मेला–2019 में विभिन्न संग्रहालयों में संग्रहीत कुम्भ पर आधारित कलाकृतियों से सम्बन्धित ''कुम्भ की कहानी, कलाकृतियों की जुबानी'' विषयक प्रदर्शनी दिनांक 10 जनवरी, 2019 से 04 मार्च, 2019 तक आयोजन किया गया।

- गीता के ऐतिहासिक महत्व के प्रचार–प्रसार की ओर अग्रसर वर्तमान सरकार द्वारा अन्तर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव, कुरुक्षेत्र, हरियाणा नवम्बर–दिसम्बर, 2017 में उ0प्र0 संग्रहालय निदेशालय द्वारा श्रीकृष्ण, भगवत् गीता एवं महाभारत से सम्बन्धित चित्रकलाओं, धातु मूर्तियों, प्रस्तर मूर्तियों एवं कलात्मक वस्तुओं की अनुकृतियों पर आधारित ''कला में कृष्ण'' विषयक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया।

- अगस्त, 2019 में संस्कृति विभाग द्वारा आयोजित श्री कृष्ण जन्माष्टमी के सांस्कृतिक कार्यक्रम में राजकीय संग्रहालय, मथुरा द्वारा सहयोग प्रदान किया गया। इसके साथ ही संस्कृति विभाग द्वारा आयोजित बरखा–बहार, रंगोत्सव आदि कार्यक्रमों में सहयोग प्रदान किया गया।

- विभिन्न संग्रहालयों के स्थापना दिवस एवं महात्मा गांधी की 150वीं जयन्ती समारोह के अवसर पर उ0प्र0 संग्रहालय निदेशालय के नियंत्रणाधीन संग्रहालयों द्वारा प्रदर्शनी, व्याख्यान एवं विभिन्न प्रकार के शैक्षिक कार्यक्रमों का आयोजन पूर्व की अपेक्षा वृहद रूप से किया गया।

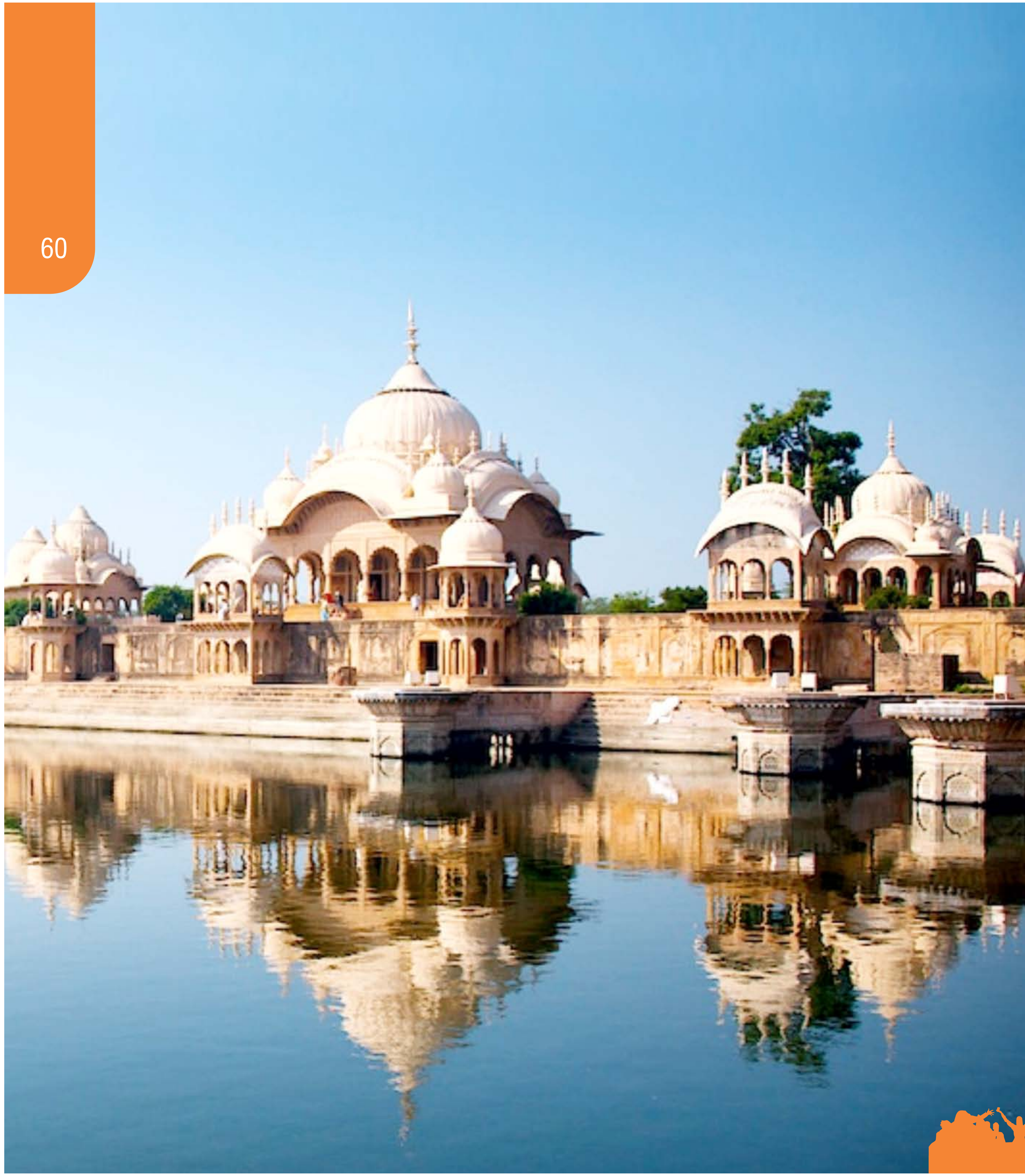

उ.प्र. राज्य पुरातत्व विभाग, लखनऊ

वृहद अनुरक्षण कार्य :

- कोठी गुलिस्तान–ए–इरम, लखनऊ।
- कोठी दर्शन विलास, लखनऊ।
- कोठी रोशनुददौला, लखनऊ।
- कोठी लाल बारादरी भवन, लखनऊ।
- कुसुमवन सरोवर, मथुरा।
- चुनार किला, मिर्जापुर।
- आलमबाग भवन एवं गेट जनपद लखनऊ।

(**कुल व्यय धनराशि रु0 2995.86 लाख**)

मा0 मुख्यमंत्री के विकास एजेण्डे के अन्तर्गत जनपद–लखनऊ स्थित छतर मंजिल का वृहद अनुरक्षण कार्य कराया जा रहा है।
(**कुल व्यय धनराशि रु0 1032.00 लाख**)

राज्य संरक्षित स्मारकों का सामान्य अनुरक्षण कार्य :

- बन्तीखेड़ा के गुम्बद, शामली।
- सोंख का टीला व पोतरा कुण्ड, कुसुमवन सरोवर पर शिलालेखों की स्थापना का कार्य, रसखान की समाधि एवं गोपीनाथ मन्दिर, मथुरा।
- वजीरगंज की बारादरी, गोण्डा।
- राजा सहसपाल के टीला, सहारनपुर।
- सन्त कबीरदास की समाधि एवं मजार, संत कबीर नगर।
- शुक्ला तालाब के जनानाघाट, बुर्जी एवं शिव मन्दिर, कानपुर देहात।
- चुनार दुर्ग, चुनार, मीरजापुर।
- बालाबेहट के दरवाजों के लिए ग्रिलगेट का निर्माण, सोरई किला तथा गोंडवानी मन्दिर, बालावेहट किले में विद्यमान कुएं की सफाई, स्थलीय संग्रहालय, ललितपुर।
- लक्ष्मी मन्दिर, झांसी।
- गुरूधाम मन्दिर के नौवतखाना, वाराणसी।
- अकबर का शिकारगाह, किरावली, आगरा।
- गुप्तार घाट, अयोध्या।
- छतर मंजिल परिसर में कार्यालय उपयोगार्थ स्टैण्ड का निर्माण, लखनऊ।

(**कुल व्यय धनराशि रु. 18.00 लाख**)

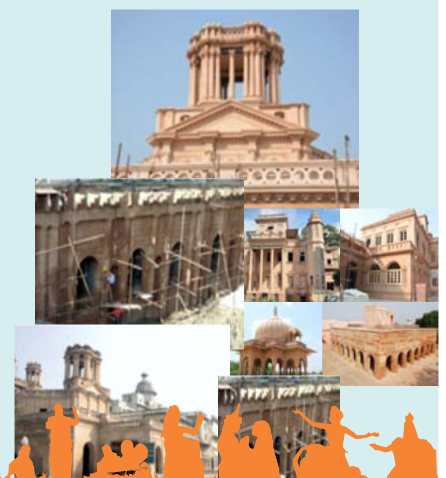

पुरातात्विक उत्खनन एवं सर्वेक्षण :

- जनपद–रायबरेली के तहसील –सलोन में सई नदी के किनारें ग्राम–स्तरीय पुरातात्विक सर्वेक्षण।
- जनपद–जालौन के विकास खण्ड–जालौन एवं सलोन तहसील का ग्राम–स्तरीय पुरातात्विक सर्वेक्षण।
- जनपद–हाथरस के सिकन्दराराऊ तहसील के अर्न्तगत 185 गांवों का ग्राम–स्तरीय पुरातात्विक सर्वेक्षण।
- जनपद–जौनपुर के तहसील–मछलीशहर के ब्लाक–मछली शहर का ग्राम–स्तरीय पुरातात्विक सर्वेक्षण।
- जनपद–बांदा के विकासखंड–महुआ तथा बड़ोदर खुर्द का ग्राम–स्तरीय पुरातात्विक सर्वेक्षण।
- जनपद–जौनपुर के केराकत–विकास खण्ड का ग्राम–स्तरीय पुरातात्विक सर्वेक्षण।
- जनपद–संतकबीर नगर अन्तर्गत विकास खण्ड – मेहंदावल का ग्राम–स्तरीय पुरातात्विक सर्वेक्षण।
- जनपद–हमीरपुर के विकास खण्ड – सरीला का ग्राम–स्तरीय पुरातात्विक सर्वेक्षण।

(कुल व्यय धनराशि रु0 17.00 लाख)

माह अक्टूबर 2019 से फरवरी 2020 तक में कुल 6 जनपदों में ग्राम–स्तरीय पुरातात्विक सर्वेक्षण कार्य प्रस्तावित ।

शैक्षिक गतिविधियाँ :

विश्व धरोहर दिवस, विश्व धरोहर सप्ताह एवं भूजल सप्ताह के अवसर पर मुख्यालय एवं सम्बद्ध इकाईयों द्वारा व्याख्यानों, छायाचित्र प्रदर्शनियों एवं ड्राइंग प्रतियोगिताओं सहित अन्य विविध कायकमों का आयोजन किया गया।

कुम्भ मेला, प्रयागराज–2019 एवं जनपद–प्रतापगढ़ अन्तर्गत अजगरा महोत्सव के अवसर पर व्याख्यानों, छायाचित्र प्रदर्शनियों तथा ड्राइंग प्रतियोगिताओं सहित अन्य विविध कायकमों का आयोजन किया गया।

(कुल व्यय धनराशि रु0 7.00 लाख)

प्रकाशन कार्य :

विभागीय वार्षिक शोध पत्रिका ''प्राग्धारा'' अंक–25 एवं अंक–26 के मुद्रण का कार्य कराया गया गया।

विभागीय परिचय पुस्तिका एवं छतर मंजिल पैलेस पर आधारित रंगीन फोल्डर का पुर्न–मुद्रण कराया गया।

(कुल व्यय धनराशि रु0 2.33 लाख)

क्षेत्रीय पुरातत्व इकाई, झाँसी द्वारा वर्ष 2018–19 में सम्पादित ग्राम–स्तरीय पुरातात्विक सर्वेक्षण रिपोर्ट के प्रकाशन कार्य कराया जा रहा है।

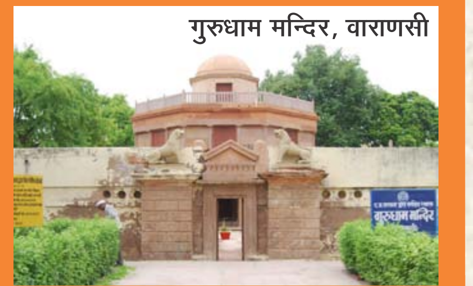
गुरुधाम मन्दिर, वाराणसी

लाल बहादुर शास्त्री, स्मृति भवन संग्रहालय, वाराणसी

अमेरिका के राष्ट्रपति के आगरा आगमन पर स्वागत समारोह